संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 169
पृष्ठ 8
शनिवार
08 मार्च 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– मौसम बदलते ही पेट में हो रही...

विचार– हू आफ्टर औरंगजेब?

खेल– फाइनल के लिए भारतीय टीम में...

दादरा और नगर हवेली में बोले पीएम मोदी

ये सिर्फ एक केंद्र शासित प्रदेश नहीं, हमारा गौरव और विरासत हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दादर और नगर हवेली के सिलवासा में सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त व्यक्तियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने 2,587 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। इस दौरान मोदी ने कहा कि वर्षों पहले मुझे यहां बहुत बार आने का अवसर मिलता था। सिलवासा और पूरा दादरा एवं नगर हवेली, दमन–दीव उस समय कितना अलग था। लोगों को भी लगता था कि समुद्र के किनारे इस छोटी सी जगह में क्या हो सकता है। लेकिन मुझे यहां के लोगों के सामर्थ्य पर भरोसा था, आप पर भरोसा था। मोदी ने कहा कि 2014 में केंद्र में सरकार बनने के बाद हमारी सरकार ने इस भरोसे को शक्ति में परिवर्तित कर दिया, उसे आगे बढ़ाया। आज हमारा सिलवासा, ये प्रदेश एक आधुनिक पहचान के साथ उभर रहा है। सिलवासा एक ऐसा शहर बन चुका है जहां हर जगह के लोग रह रहे हैं। यहां का विश्वव्यापी मिजाज बताता है कि दादरा एवं नगर हवेली में कितनी तेजी से नए अवसरों का विकास हुआ है। इसी विकास अभियान के तहत आज यहां 2.5 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की अनेक परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया है। इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी, हेल्थकेयर, शिक्षा और टूरिज्म, यानी हर क्षेत्र से जुड़े ढेर सारे प्रोजेक्ट इस क्षेत्र के विकास को और गति देंगे, यहां नए अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि दादरा और नगर हवेली, दमन–दीव.. . ये प्रदेश हमारा गर्व है, हमारी विरासत भी है। इसलिए हम इस प्रदेश को एक ऐसा मॉडल प्रदेश बना रहे हैं, जो अपने समग्र विकास के लिए जाना जाए। दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव कई योजनाओं में सैचुरेशन की स्थिति में पहुंच गए हैं। जीवन के हर आयाम में, हर जरूरत के लिए सरकार की योजना का लाभ हर लाभार्थी को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि वन नेशन–वन राशन कार्ड से हर व्यक्ति को भोजन की गारंटी मिली है, जल जीवन मिशन से हर परिवार तक पीने का साफ पानी पहुंच रहा है, भारतनेट से डिजिटल कनेक्टिविटी मजबूत हुई है, पीएम जनधन ने हर परिवार को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ा है, पीएम जीवन ज्योति बीमा और पीएम सुरक्षा बीमा योजना का लाभ हर लाभार्थी को मिल रहा है। मोदी ने कहा कि इन योजनाओं की सफलताओं ने यहां के लोगों को विश्वास से भर दिया है। सरकार की योजनाओं से उनके जीवन में जो सकारात्मक बदलाव आए हैं, उसके व्यापक प्रभाव दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में इस क्षेत्र में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का काफी विस्तार हुआ है। 2023 में मुझे यहां श्नमो मेडिकल कॉलेजश के उद्घाटन का अवसर मिला था। अब इसके साथ 450 बैड की क्षमता वाला एक और अस्पताल जुड़ गया है, जिसका आज यहां उद्घाटन किया गया है। आज जन औषधि दिवस भी है। जन औषधि यानी–सस्ते इलाज की गारंटी ! जन औषधि का मंत्र है – दाम कम, दवाई में दम! हमारी सरकार अच्छे अस्पताल भी बनवा रही है, आयुष्मान योजना के तहत मुफ्त इलाज की सुविधा भी दे रही है और जन औषधि केन्द्रों के जरिए सस्ती दवाएं भी दे रही है।

पंडित गोविंद बल्लभ पंत देश के स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे- सीएम योगी

● सीएम योगी ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत की प्रतिमा पर किया मल्यार्पण, स्मृतियों को किया नमन

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को महान स्वतंत्रता सेनानी और उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री, भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत देश के स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे, जिन्होंने एक उत्कृष्ट अधिवक्ता, कुशल राजनेता और प्रशासक के रूप में अपनी अमिट छाप छोड़ी। गोरखपुर विश्वविद्यालय के पंत पार्क में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित पंत संविधान सभा के सम्मानित सदस्य थे और देश की आजादी के बाद से 1954 तक उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में राज्य की व्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आदित्यनाथ ने कहा "इसके बाद वे देश के गृह मंत्री बने। हिंदी को राजभाषा के रूप में स्थापित करने का श्रेय भी उन्हें जाता है। उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 1957 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया।" मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर विश्वविद्यालय की आधारशिला स्वयं पंडित गोविंद बल्लभ पंत ने रखी थी और सात मार्च 1961 को वह इस दुनिया को अलविदा कह गए। उन्होंने कहा कि आज उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर हम उनके स्मृतियों को नमन करते हुए प्रदेशवासियों की तरफ से उनके प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस अवसर पर सांसद रवि किशन, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधान परिषद सदस्य व भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, महेंद्र पाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टण्डन और भाजपा के महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता समेत विभिन्न गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

न्यायालय ने गैंगस्टर अधिनियम मामले में उप्र के विधायक अब्बास अंसारी को अंतरिम जमानत दी

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के विधायक अब्बास अंसारी को राज्य के गैंगस्टर अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में अंतरिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास में रहने का निर्देश दिया और कहा कि उन्हें मऊ में अपने निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करने से पहले प्राधिकारियों से पूर्व अनुमति लेनी होगी। पीठ ने अंसारी से कहा कि वह अदालत की पूर्व अनुमति के बिना उत्तर प्रदेश न छोड़ें और अदालतों में पेश होने से एक दिन पहले पुलिस अधिकारियों को सूचित करें। शीर्ष अदालत ने पुलिस से अंसारी से संबंधित जमानत शर्तों के अनुपालन पर छह सप्ताह में स्थिति रिपोर्ट देने को कहा। अंसारी को अन्य आपराधिक मामले में 4 नवंबर 2022 को हिरासत में लिया गया था, लेकिन 6 सितंबर 2024 को गैंगस्टर अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया। पीठ ने कहा कि उन्हें गैंगस्टर अधिनियम के मामले को छोड़कर सभी आपराधिक मामलों में जमानत दी गई है। पिछले साल 18 दिसंबर को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस मामले में अंसारी की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। अंसारी, नवनीत सचान, नियाज अंसारी, फराज खान और शाहबाज आलम खान के खिलाफ उप्र गैंगस्टर और असामाजिक गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1986 की धारा 2, 3 के तहत चित्रकूट जिले के कोतवाली कर्वी थाने में 31 अगस्त, 2024 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उन पर जबरन वसूली और मारपीट का आरोप था। अंसारी मऊ निर्वाचन क्षेत्र से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के विधायक हैं।

दिल्ली पुलिस ने कुख्यात बदमाशों के लिए फर्जी पासपोर्ट बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने फर्जी पहचान का उपयोग कर गैंगस्टर और अपराधियों को विदेश भागने में कथित तौर पर मदद करने वाले एक फर्जी पासपोर्ट गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने गिरोह के सरगना निशांत कुमार सक्सेना व उसके छह अन्य साथियों को गिरफ्तार किया है। इनमें नीरज बवाना गिरोह का एक सदस्य भी शामिल हैं। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) संजय कुमार सैन ने बताया, "अपराध शाखा गैंगस्टर, वांछित अपराधियों और पैरोल पाकर फरार होने वाले अपराधियों के लिए फर्जी पासपोर्ट बनाने में शामिल गिरोह पर नजर रखे हुए थी। चार महीने की निगरानी के दौरान जांच दल ने गिरोह के संचालन के बारे में खुफिया जानकारी जुटाई।" सैन ने बताया कि आरोपियों ने फर्जी नाम और पते का इस्तेमाल कर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और अन्य सरकारी दस्तावेज बनाए थे। उन्होंने बताया कि इन फर्जी पहचान पत्रों का इस्तेमाल पासपोर्ट कार्यालयों, मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के लखनऊ में अपने स्रोतों के माध्यम से वैध भारतीय पासपोर्ट हासिल करने के लिए किया गया। अधिकारी ने बताया कि कानूनी कार्रवाई का सामना कर रहे अपराधी इस गिरोह से संपर्क करते थे, जिससे उन्हें मुकदमे से बचने और विदेशों में गैरकानूनी गतिविधियों को जारी रखने का मौका मिलता था। उन्होंने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर एक फर्जी ऑपरेशन शुरू किया गया। अधिकारी ने बताया कि एक गुप्त एजेंट ने ग्राहक बनकर फर्जी नाम से फर्जी पासपोर्ट बनाने को कहा। उन्होंने बताया कि मुख्य संदिग्ध निशांत कुमार सक्सेना ने अपने सहयोगी सूफियान के साथ मिलकर फर्जी पहचान दस्तावेज बनाने में मदद की।

जयशंकर ने आतंकवाद को बताया बड़ी चुनौती, बोले-

अधिक प्रतिबद्धता के साथ इससे निपटने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद को एक चुनौती बताया है, जिससे बहुत अधिक संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ निपटने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आयरलैंड के अहाकिस्ता में एक पट्टिका एयर इंडिया विमान कनिष्क बम विस्फोट के पीड़ितों की याद में लगाई गई है, जो 1985 में आयरलैंड के तट पर हुआ था। अपने भाषण में जयशंकर ने कहा कि संघर्ष के बारे में बात करते हुए, आतंकवाद का मुकाबला करने पर भी एक शब्द कहना उचित होगा, खासकर एक ऐसे देश के विदेश मंत्री के रूप में जो लंबे समय से आतंकवादी प्रयासों का शिकार रहा है। आयरलैंड के अहाकिस्ता गांव में वास्तव में एक स्मारक पट्टिका है, जो एयर इंडिया के विमान कनिष्क बम विस्फोट के 329 पीड़ितों की याद में है। इस बात पर जोर देते हुए कि संघर्ष हिंसक और दर्दनाक होते हैं, उन्होंने कहा, ष्मैं दुनिया की स्थिति के बारे में एक व्यापक अवलोकन करना चाहता हूँ जिसे बहुत हल्के ढंग से कहना मुश्किल है। कई कारणों से, हमारा ध्यान आम तौर पर संघर्षों पर ही लगा रहता है। संघर्ष हिंसक होते हैं। वे दर्दनाक होते हैं। आप इसके बारे में अखबारों में पढ़ते हैं, टीवी पर देखते हैं, फोन पर देखते हैं। लेकिन बहुत कुछ ऐसा हो रहा है जिसके बारे में आपको जरूरी नहीं कि पढ़ा हो। संघर्षों के बारे में भी, एक अनुमान के अनुसार दुनिया में लगभग 60 संघर्ष चल रहे हैं, शायद दो या तीन अखबारों या टीवी पर आते हैं। संभवतः इस समय सबसे परेशान करने वाली बात यह है कि इस दशक के अंत तक देश अपने सतत विकास लक्ष्यों तक पहुँच जाएँगे।

सोने की तस्करी के आरोप में फंसी रान्या राव न्यायिक हिरासत में हुई परेशान, कहा- नहीं कर पा रहीं आराम

नई दिल्ली, एजेंसी। कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव इस सप्ताह के शुरू में केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 14 किलोग्राम तस्करी के सोने के साथ गिरफ्तार हुई है। उनके पास से जांच टीम को सोना भी बरामद हुआ है। सोना मिलने के बाद से ही कन्नड अभिनेत्री रान्या राव की मुसिबतें कम होने का नाम नहीं ले रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अभिनेत्री ने इस बात को कबूल किया है। उन्होंने अपने बयान में यह भी कहा कि उन्हें पर्याप्त आराम नहीं मिल रहा था। रान्या को 4 मार्च से 18 मार्च तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। रान्या राव ने अपने बयान में कहा, "मैंने यूरोप, अमेरिका और मध्य पूर्व की यात्रा की है और दुबई, सऊदी अरब का दौरा किया है। मैं यह बताना चाहती हूं कि मैं इस समय थकी हुई हूं क्योंकि मुझे पर्याप्त आराम नहीं मिला।"

8 मार्च: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

नारी का सम्मान

(विधारूदोहा)

नारी का सम्मान हो, पूजे सकल समाज ।
रखती जो सबको सुखी, दुखियारी वो आज ।।

सकल सृष्टि के मूल में, नारी का सहयोग ।
उसका हो अपमान तो, बहुत बुरा यह रोग ।।

लक्ष्मी दुर्गा शारदा, तीनों नारी रूप ।
नारी जग की देवियाँ, सुंदर रूप अनूप ।।

बेटी बहना माँ बनी, पत्नी तेरा नाम ।
नारी से हीं नर हुआ, देवी जैसा काम ।।

तुझको जब शिक्षा मिले, तेरा हो उद्धार ।
तेरा हक तुझको मिले, तुम आधी हकदार ।।

जलकर रौशन जो करे, पूरा घर परिवार ।
सदा मोमबत्ती तरह, नारी का उपकार ।।

नारी को न लजाइए, महाघोर यह पाप ।
नारी घर भी आपके, इसे समझिए आप ।।

विनय कुमार 'बुद्ध'
न्यू बंगाईगांव–असम.
फोनः 7002124063

नाइट रीडिंग ग्लास के लिए एस्पायर अवार्ड

मुजफ्फरनगर। दीपचंद ग्रेन चौंबर इंटर कॉलेज में कक्षा 10 के छात्र युवराज सिंह को नाइट रीडिंग क्लास का आविष्कार करने की योजना पर एस्पायर अवार्ड के लिए चयनित किया गया है। जनपद के करीब 72 छात्र–छात्राओं को एस्पायर अवार्ड के लिए चयनित किया गया है। उनमें विद्यालय के छात्र युवराज सिंह भी शामिल है। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री विजय कुमार शर्मा ने बताया कि दूरदराज इलाकों में जब लंबे समय तक बिजली नहीं आती और वहां इनवर्टर या जनरेटर की सुविधा भी नहीं होती तब अंधेरे में तब छात्रों को पढ़ाई लिखाई करने में समस्या आती है और मोमबत्ती या लालटेन आदि पर निर्भर रहना पड़ता है। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए छात्र युवराज ने अपने अध्यापक श्री विक्रांत तालियान के मार्गदर्शन में नाइट रीडिंग ग्लास तैयार करने की योजना बनाई जो अंधेरे में हमारी आंखों को प्रभावित किए बिना छात्रों की मदद करेगा। इस छात्र को प्रोजेक्ट तैयार करने के लिए 10000 की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इस छात्र के पिता स्कूल बैग बनाने का काम करते हैं और उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर है!

जिलाधिकारी ने प्राकृतिक खेती एंव वर्मी कम्पोस्ट का कार्य करने वाले कृषक को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

मुजफ्फरनगर। जनपद की तहसील जानसठ के विकासखण्ड के ग्राम कासमपुर खोला निवासी कृषक श्री ध्यानसिंह पुत्र श्री तुंगलसिंह को जिलाधिकारी श्री उमेश मिश्रा ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है। श्री ध्यानसिंह द्वारा विगत 23 वर्षों से 02

एकड क्षेत्र पर प्राकृतिक खेती एंव वर्मी कम्पोस्ट का कार्य किया जा रहा है। श्री ध्यानसिंह द्वारा प्रतिवर्ष 150 कु० गन्ना, 06 कु० सरसों, 04 कु० मसूर, 05 कु० उर्द (सहफसली के साथ), 06 कु० धान, 15 कु0 गेहूँ एंव 90 कु० वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन किया जा रहा है, जिससे इनको लगभग 02 लाख रूपये का प्रतिवर्ष लाभप्राप्त होता है। जिलाधिकारी महोदय मुजफ्फरनगर द्वारा श्री ध्यानसिंह का उत्साह वर्धन करते हुए सुझाव दिया कि वह कम–कम से 100 कृषकों को प्राकृतिक खेती करने हेतु जागरूक करें। इस अवसर पर उप निदेशक कृषि श्री संतोष कुमार उपस्थित रहे।

मृतक पत्रकार के परिवार को आर्थिक मदद से ज्यादा रोजगार की जरूरत

देहरादून। उत्तराखंड में आयोजित हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों की कवरेज के दौरान अपने कर्तव्य निर्वहन करते हुए युवा पत्रकार मंजुल सिंह मंजुला का ह्रदय गति रुकने जाने से असामयिक निधन हो गया। इस दुःखद घटना से पत्रकार वर्ग काफी आहत है। इस अपूर्णनीय क्षति से इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रेस–एन–मीडियामेन (आईएपीएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन सहयोगी एवं राष्ट्रीय महासचिव डॉ.डीडी मित्तल सहित पूरा आईएपीएम संगठन दुःखी था। कल आईएपीएम के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. डी. डी. मित्तल ने स्थानीय पत्रकार सुरेश भट्ट, पवन नेगी एवं शक्ति सिंह बर्थवाल के साथ मृतक परिवार को उनके घर जाकर सांत्वना

दी और तत्कालिक आर्थिक सहायता के तौर पर सहयोग राशि का चेक उनके परिवार को सौंपा। आईएपीएम के राष्ट्रीय महासचिव व पत्रकार कल्याण कोष एवं मुख्यमंत्री पत्रकार पेंशन योजना, उत्तराखण्ड सरकार के सदस्य डा. मित्तल ने परिवार को भरोसा दिलाया कि उनकी आर्थिक सहायता के लिए उत्तराखंड पत्रकार कल्याण कोष से भी एक मुश्त सहायता राशि भी दिलाने के भरसर प्रयास किये जायेंगे। इस संबंध में एसोसियशन का एक प्रतिनिधिमंडल मा. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व महानिदेशक सूचना से मिलकर मृतक पत्रकार के परिवार को आर्थिक मदद के साथ–साथ उनकी पत्नि को नौकरी देने की मांग करेगा क्योंकि आश्रित परिवार को आर्थिक मदद से ज्यादा रोजगार की आवश्यकता है। मृतक पत्रकार की पत्नि भव मंजुला कॉमर्स स्नातक हैं। परिवार में वर्तमान में कमाई का कोई आधार नहीं है और दोनों बच्चे छोटे है और स्कूली शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

24 घंटे में बड़ा उलटफेर, भाकियू भानु देवेंद्र ही रहेंगे जिलाध्यक्ष

मथुरा। भारतीय किसान यूनियन भानु में जिला अध्यक्ष मथुरा के पद को लेकर राष्ट्रीय और प्रदेश के पदाधिकारियों ने मंथन करते हुए 24 घंटे के भीतर ही नगला लोका निवासी देवेंद्र पहलवान को पुनः मथुरा का जिला अध्यक्ष घोषित कर प्रमाण पत्र जारी कर दिया साथ ही भूरा पहलवान को अध्यक्ष पद से हटा दिया। राष्ट्रीय सचिव जगदीश रावत, वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रवक्ता हरेश ठेनुआ, वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किशन पाल सिंह, प्रदेश अध्यक्ष योगेश प्रताप सिंह, राष्ट्रीय महा सचिव सुनील सिंह, उत्तर प्रदेश संगठन मंत्री कुँवर सरताज की बैठक के बाद देवेंद्र पहलवान को भारतीय किसान यूनियन भानु में मथुरा का जिला अध्यक्ष देवेंद्र पहलवान को घोषित करते हुए भूरा पहलवान का जिलाअध्यक्ष पद निरस्त कर दिया।

मात्र चयन हो जाने से नियुक्ति का अधिकार प्राप्त नहीं होता, चयनित उम्मीदवारों की याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि मात्र चयन हो जाने से किसी को भर्ती का अधिकार नहीं मिल जाता। भर्ती प्रक्रिया के लिए एक समय सीमा तय होनी चाहिए। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने टीजीटी भर्ती–2013 में नियुक्ति पत्र न पाने वाले अवशेष पैनल में चयनित उम्मीदवारों की ओर से दाखिल याचिका खारिज कर दी। यह आदेश सौरभ श्याम शमशेरी ने गोरखपुर के गौरव कुमार, अलीगढ़ के पंकज कुमार और 57 अन्य की याचिका पर दिया।

याचियों का कहना था कि

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड प्रयागराज की ओर से टीजीटी–2013 भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया गया था। विज्ञापित पदों की संख्या घटाकर अंतिम परिणाम घोषित किया गया। इसके खिलाफ उम्मीदवारों ने याचिका दाखिल की। इसके बाद कोर्ट के आदेश पर चयन बोर्ड ने 2019 में 1167 चयनित उम्मीदवारों का अवशेष पैनल जारी किया। इसमें लगभग 860 उम्मीदवारों को नियुक्ति दे दी गई, लेकिन लगभग 307 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र नहीं दिया गया। इसके खिलाफ ही उम्मीदवारों ने याचिका दाखिल की।

याची के अधिवक्ता अभिषेक कुमार सरोज, प्रभाकर अवस्थी और राहुल अग्रवाल ने दलील दी कि याची चयन बोर्ड की ओर से निकाले गए अवशेष पैनल में चयनित उम्मीदवार हैं। ऐसे में चयन बोर्ड को याचियों को नियुक्ति पत्र देना चाहिए। प्रतिवादी वकीलों ने दलील दी कि पदों की संख्या सत्यापित नहीं की गई थी और गलत तरीके से रिक्तियों की सूची में याचियों का नाम डाल दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि अब इस भर्ती प्रक्रिया को शुरू किए सालों बीत चुके हैं। इतने लंबे समय तक भर्ती प्रक्रिया को खुला रखना और अब नियुक्ति का निर्देश देना न्याय का उपहास होगा। कोर्ट ने पूर्व में दिए गए हाईकोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए याचिका खारिज कर दी।

मऊआइमा में फिर नकल कराते पकड़े गए चार युवक, हटाए गए प्रधानाचार्य

प्रयागराज। मऊआइमा थाना क्षेत्र में नकल कराने का सिलसिला बंद होने का नाम नहीं ले रहा है। अब क्षेत्र के ग्राम छाता रेवारी स्थित शांति देवी इंटरमीडिएट कॉलेज में भौतिक विज्ञान की परीक्षा में नकल कराने वाले चार युवकों को पकड़ा गया है। भागने के दौरान दो युवकों का पैर भी टूट गया। मजिस्ट्रेट की टीम आ धमकी। यह देखकर एक दर्जन से अधिक युवक बाउंड्री से कूद कर

नहीं ले रहा है। अब क्षेत्र के ग्राम छाता रेवारी स्थित शांति देवी इंटरमीडिएट कॉलेज में भौतिक विज्ञान की परीक्षा में नकल कराने वाले चार युवकों को पकड़ा गया है।

मऊआइमा थाना क्षेत्र में नकल कराने का सिलसिला बंद होने का नाम नहीं ले रहा है। अब क्षेत्र के ग्राम छाता रेवारी स्थित शांति देवी इंटरमीडिएट कॉलेज में भौतिक विज्ञान की परीक्षा में नकल कराने वाले चार युवकों को पकड़ा गया है। भागने के दौरान दो युवकों का पैर भी टूट गया। इन सभी के विरुद्ध मऊआइमा थाना पुलिस ने केस दर्ज किया है। मामला सामने आने के बाद केंद्र के प्रधानाचार्य मनोरमा देवी यादव को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, बृहस्पतिवार दोपहर दो से शाम 5रू15 बजे तक इंटर द्वितीय पाली में भौतिक विज्ञान की परीक्षा चल रही थी। इस दौरान शांति देवी इंटरमीडिएट कॉलेज परीक्षा केंद्र में अचानक भागने लगे। इसके बाद टीम ने दौड़कर चार युवकों को पकड़ लिया, जबकि अन्य भागने में कामयाब रहे। पकड़े गए युवकों ने अपना नाम विवेक कुमार ग्राम तिलई बाजार, अनिल कुमार ग्राम हरखपुर, रवि प्रकाश ग्राम करौंदी सोरांव और सुरेंद्र सिंह ग्राम कलंदरपुर सोरांव बताया। पूछताछ में पता चला कि ये सभी परीक्षार्थियों को नकल कराने आए थे। बाउंड्री से कूदते वक्त रवि और सुरेंद्र का पैर भी टूट गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्टैटिक मजिस्ट्रेट मोहम्मद सैफ ने मऊआइमा थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। दूसरी ओर केंद्र व्यवस्थापक प्रीतम सिंह का कहना है कि केंद्र के अंदर कोई नकलची नहीं पकड़ा गया है। इंस्पेक्टर वीरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि चार नकल कराने वाले युवकों को पकड़ा गया है, जिसकी जांच की जा रही है।

नए केंद्र व्यवस्थापक की देखरेख में होगी परीक्षा

डीआईओएस पीएन सिंह ने बताया कि उक्त परीक्षा केंद्र में द्वितीय पाली के दौरान स्टैटिक मजिस्ट्रेट ने चार युवकों के विरुद्ध मऊआइमा थाने में केस दर्ज कराया है। वहीं, परिषदीय परीक्षा नियमों के अनुसार संपादित नहीं कराए जाने पर केंद्र व्यवस्थापक व प्रधानाचार्य मनोरमा देवी यादव को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। उनके स्थान पर राजकीय इंटर कॉलेज के प्रवक्ता विष्णु त्रिपाठी को नए केंद्र व्यवस्थापक के रूप में नियुक्त किया गया है। शुक्रवार होने वाली परीक्षा नए केंद्र व्यवस्थापक की देखरेख में संपन्न होगी।

ऊपर तार–नीचे अंडरपास...रास्ता खोज रहीं डबल डेकर बसें

प्रयागराज। लखनऊ में एसी डबल डेकर इलेक्ट्रिक सिटी बसों की शुरुआत हो चुकी है। अब बारी प्रयागराज की है। यहां दो डबल डेकर बसें आ भी चुकी हैं। लेकिन, इनके रूट अब तक निर्धारित नहीं हो सके हैं। क्योंकि, प्रयागराज में कई रेल अंडरपास की ऊंचाई काफी कम है। लखनऊ में एसी डबल डेकर इलेक्ट्रिक सिटी बसों की शुरुआत हो चुकी है। अब बारी प्रयागराज की है। यहां दो डबल डेकर बसें आ भी चुकी हैं। लेकिन, इनके रूट अब तक निर्धारित नहीं हो सके हैं। क्योंकि, प्रयागराज में कई रेल अंडरपास की ऊंचाई काफी कम है। इसके अलावा कुछ प्रमुख सड़कों पर बिजली के तार काफी नीचे हैं। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान ही नगरीय परिवहन निदेशालय की ओर से दो ई–डबल डेकर बसें उपलब्ध करवाई गई हैं। हालांकि, इनका संचालन महाकुंभ के दौरान शुरू नहीं हो सका। तब से ये राजापुर स्थित प्रयाग डिपो की वर्कशॉप में खड़ी हैं। लखनऊ से जब ये प्रयागराज लाई गईं तो शहर में तकरीबन आधा दर्जन स्थानों पर बिजली के तारों को डंडे के सहारे ऊपर उठाना पड़ा था।

शहर में कई मार्ग ऐसे हैं, जहां विद्युत आपूर्ति वाले तार कम ऊंचाई पर हैं। इसके अलावा निरंजन, सीएमपी, सोहबतियाबाग, झलवा, बैरहना, गीता निकेतन, कुंदन गेस्ट हाउस आदि स्थानों पर बने रेल अंडरपास की ऊंचाई भी काफी कम है। इससे इनके रूट निर्धारित करने में सिटी ट्रांसपोर्ट सेवा से जुड़े अफसरों को परेशानी हो रही है।

ई–डबल डेकर बस की ऊंचाई 4.8 मीटर है। ये बसें एक बार चार्ज होने पर 150 किमी तक चल सकती हैं। इनमें पांच सीसीटीवी कैमरे और पैनिक बटन लगाई गई हैं। रियल टाइम लोकेशन के लिए इसमें व्हीकल ट्रैकिंग डिवाइस भी लगी है।

फिलहाल, इन बसों को लेकर प्रयागराज सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड की ओर से कुछ अन्य रूटों पर सर्वे किया जा रहा है। पहले एयरपोर्ट से सिविल लाइंस तक इनको चलाने की तैयारी थी। लेकिन, एयरपोर्ट में विमानों और यात्रियों की संख्या एकाएक कम हो गई है। इससे झलवा से प्रयागराज छिवकी के बीच इसे चलाए जाने पर विचार चल रहा है।

डबल डेकर ई–बस संचालन के लिए रूट का सर्वे चल रहा है। जैसे ही रूट फाइनल होगा, इनका संचालन शुरू कर दिया जाएगा। –एमके त्रिवेदी, निदेशक, प्रयागराज सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड

700 से 900 का हुआ बादाम, काजू एक हजार के पार

प्रयागराज। महाकुम्भ के दौरान जहां वाहनों के प्रवेश की बाधा के कारण बाजारों में सामान का स्टॉक कम हो रहा था तो वहीं अगले हफ्ते होली को देखते हुए अब रौनक बढ़ गई है। ड्राई फ्रूट्स, सरसों का तेल, रिफाइंड और मैदा जैसी खाद्य सामग्री की बिक्री बढ़ गई है। पिछले साल की तुलना में इस बार 20 से 30 फीसदी तक सामान महंगे हुए हैं, लेकिन खरीदारों पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। थोक बाजार में बादाम 700 रुपये प्रति किलोग्राम और फुटकर बाजार में 900 से 950 रुपये प्रतिकिलो बिक रहा है। पिछले वर्ष होली के वक्त थोक बाजार में कीमत 550 रुपये के आसपास थी और फुटकर बाजार में 700 से 750 रुपये प्रति किलो थी। इस बार काजू एक हजार रुपये प्रति किलो हो गया है। जबकि फुटकर बाजार में पिछले साल 850 रुपये किलो काजू बिक रहा था। दुकानदारों का कहना है कि जनवरी और फरवरी में दाम बढ़े थे, क्योंकि आवक नहीं थी। लेकिन 26 फरवरी से लगातार हालात सामान्य होने के कारण धीरे–धीरे स्टॉक की उपलब्धता हो गई है। ऐसे में फुटकर और थोक दोनों मूल्यों में कमी आई है। इस बार सरसों का तेल 155 रुपये थोक में तो 162 से 170 रुपये प्रति लीटर फुटकर बाजार में, रिफाइंड ऑयल 165 रुपये लीटर थोक में तो 180 रुपये लीटर तक फुटकर बाजार में आ गया है। मैदा इस बार 40 रुपये किलो है, जो पिछले साल 30 रुपये किलो था, सूची 42 रुपये किलो है।

यूपी बोर्ड परीक्षा में अब तक 51 पर हुई एफआईआर

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की परीक्षा के दौरान अब तक 51 लोगों के खिलाफ एफआईआर हो चुकी है जबकि 16 विद्यार्थी नकल करते पकड़े गए हैं। गुरुवार को प्रयागराज में चार नकल माफिया समेत दस लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। दूसरी पाली में इंटरमीडिएट की भौतिक विज्ञान, मनोविज्ञान, शिक्षाशास्त्र एवं तर्कशास्त्र की परीक्षा के दौरान शांति देवी इंटरमीडिएट कॉलेज, ग्राम छाता रेवारी बहरिया में चार नकल माफिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज की कई। आजमगढ़ के एक परीक्षा केंद्र पर एसटीएफ ने चार फर्जी परीक्षार्थी पकड़े जबकि गाजीपुर और औरैया में एक–एक फर्जी परीक्षार्थी पकड़े गए। सभी छह फर्जी परीक्षार्थियों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कराई गई है। वहीं गाजीपुर में एक छात्र नकल करते पकड़ गया। सचिव भगवती सिंह के अनुसार पहली पाली में हाईस्कूल खुदरा विषय एवं इंटर संगीत गायन, संगीत वादन औ नृत्यकला में पंजीकृत 8558 परीक्षार्थियों में से 8264 उपस्थित और 294 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में पंजीकृत 1840277 परीक्षार्थियों में से 1696963 उपस्थित और 143314 गैरहाजिर रहे। इस प्रकार कुल पंजीकृत 1848835 परीक्षार्थियों में से 143608 अनुपस्थित रहे। शुक्रवार को पहली पाली में हाईस्कूल अंग्रेजी में 26,41426 और इंटरमीडिएट में कंप्यूटर समेत कृषि विषयों में 45212 कुल 2686638 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। दूसरी पाली में हाईस्कूल सुरक्षा में 46 और इंटर मानव विज्ञान में 24 कुल 70 विद्यार्थी परीक्षा देंगे।

नशा पर निर्भरता सब कुछ कर देता नाश

प्रयागराज। लायंस क्लब प्रयागराज गौरव की ओर से गुरुवार को एसएस खन्ना गर्ल्स डिग्री कॉलेज में नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. अर्पण धर दुबे ने कहा कि नशे का परिवार और समाज पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।अध्यक्षता कर रहे संयुक्त आयुक्त स्वास्थ्य डॉ. वीके मिश्र ने कहा कि नशा करने से सामाजिक, पारिवारिक व शारीरिक क्षति होती है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक अध्ययन का नशा होना चाहिए। विशिष्ट अतिथि मनोचिकित्सक डॉघ राकेश पासवान ने कहा कि नशे की शुरूआत दोस्तों के साथ होती है उसके बाद यह मनोरंजन का साधन बन जाता है। नशे पर निर्भरता बढ़ने से इसे छोड़ना कठिन हो जाता है। नशे की लत धीरे–धीरे सब कुछ नाश कर देती है।

केसरवानी समाज के पुरोधा को दिया गया अंतिम श्रद्धांजलि

प्रयागराज। केसरवानी शिक्षा समिति के पूर्व अध्यक्ष दरबारी लाल केसरी की देहांत के बाद मुट्ठीगंज गंगाराम व्यायामशाला में आयोजित शांति पाठ हवन में केसरवानी और वैश्य समाज के लोगों ने उपस्थित होकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित किया और हवन पूजा पाठ करके उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित प्रयागराज व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष व अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश मंत्री सुशांत केसरवानी ने बताया कि दरबारी लाल केसरी ने अपने पूरे जीवन काल में केसरवानी वैश्य समाज के सेवा में तत्पर रहे। वह केसरवानी शिक्षा समिति के अध्यक्ष सहित समाज के विभिन्न पदों पर आसीन रहे। वृद्ध होने के बाद भी उनकी सामाजिक गतिविधियां युवाओं को प्रेरणा देती रही है। आज हम युवाओं को उनके दिखाये रास्ते पर चलने का संकल्प लेना होगा। गल्ला तिलहन व्यापार मंडल के अध्यक्ष सतीश केसरवानी ने कहा कि बहुत समय तक दरबारी लाल केसरी के साथ विभिन्न संगठनों में कार्य करने का अवसर मिला। उनका जाना केसरवानी समाज के लिए अपूर्णीय क्षति है, वो केसरवानी वैश्य समाज के पुरोधा थे। समाज उनके कार्यों को हमेशा याद रखेगा। इस दौरान केसरवानी समाज के अध्यक्ष शिव कुमार वैश्य, अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के जिलाध्यक्ष मनीष कुमार गुप्ता, मानिक चंद्र केसरी, पंकज केसरी, अनूप केसरी, सुरेंद्र केसरवानी, क्षितिज केसरी, अशोक गुप्ता, पंकज केसरी आदि मौजूद रहे।

शिक्षा की नगरी में अशिक्षित से 12 गुना अधिक शिक्षित बेरोजगार

प्रयागराज। शिक्षा की नगरी प्रयागराज में अशिक्षित से कई गुना अधिक शिक्षित बेरोजगार एक अदद नौकरी की तलाश में भटक रहे हैं। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के आंकड़ों पर गौर करें तो वर्ष 2024 में अशिक्षित से 12 गुना अधिक शिक्षित बेरोजगार नौकरी की कतार में लगे थे। बेरोजगारी का दंश शहर से अधिक ग्रामीण क्षेत्र के लोग झेल रहे हैं। जनवरी से दिसंबर 2024 तक 12120 शिक्षित जबकि 2069 अशिक्षित बेरोजगारों ने पंजीकरण कराया था। पूर्व के पंजीकरण को जोड़ लें तो कुल 171693 बेरोजगार पंजीकृत हैं। इनमें अशिक्षित बेरोजगारों की संख्या 13042 जबकि शिक्षित बेरोजगारों की संख्या इससे 12 गुना अधिक 158651 है। स्नातक करने वालों के सर्वाधिक पंजीकरण: एक जनवरी से 31 दिसंबर 2024 तक पंजीकरण कराने वाले 14189 बेरोजगारों में सर्वाधिक 3809 स्नातक योग्यताधारी हैं। इंटर पास 2408, हाईस्कूल पास 775, परास्नातक 989, डिप्लोमा 1313, कक्षा दस से कम 1640 जबकि अन्य व्यवसाय में प्रशिक्षित 438 ने पंजीकरण कराया है। पुरुषों की तुलना में तकरीबन एक चौथाई महिला बेरोजगारों ने ही पंजीकरण कराया है। पुरुष बेरोजगारों की संख्या 11281 जबकि महिला 2908 हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ कम उम्र के युवाओं को ही नौकरी की तलाश हैं। आधी उम्र बीता चुके हजारों लोग भी नौकरी के लिए भटक रहे हैं। सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण पर गौर करें तो 4528 बेरोजगार ऐसे हैं जिनकी आयु 40 वर्ष पार कर चुकी है लेकिन नौकरी की तलाश खत्म नहीं हुई है।

रोजेदार को हर बुराई से बचाता है रोजा

प्रयागराज। माहे रमजान के पहले अशरे (रहमत) में रोजेदार अल्लाह की इबादत करने में मशगूल हैं। सुबह से लेकर देर रात तक अल्लाह का जिक्र करते रोजादारों का वक्त बीत रहा है। कुराने पाक की तिलावत का सिलसिला जारी है। पांच वक्त की नमाज में मस्जिदों में नमाजियों की भीड़ हो रही है। शहर की तमाम मस्जिदें नमाजियों से गुलजार हैं। माहे रमजान की फजीलतों के संबंध में मौलाना अहमद मकीन ने बताया कि रमजान के मुबारक महीने की फजीलत को कुरान में बयान किया गया है और कुरानेपाक का नुजूल भी इसी महीने में हुआ। इसी माह में शबे कद्र की मुकद्दस रातें हैं। जिसमें एक रात की इबादत का सवाब एक हजार रातों के बराबर है। नबी–ए–करीम इस माह की आमद का इंतेजार माहे रजब (दो माह पूर्व) से ही करना शुरू कर देते। शाबान के महीने में इस्तेकबाले रमजान के लिए तैयारियां पूरे जोरशोर से जारी रहतीं। ऐसे ही जैसे किसी मेहमान या कार्यक्रम को लेकर वक्त से पहले उसकी तैयारी शुरू कर दी जाती हैं। उन्होंने बताया कि इस माह में इबादत करने का सवाब बढ़ा दिया जाता है। रोजा हर बुराइयों से बचाता है।

प्राथमिक विद्यालय बरुकी में इको क्लब की हुई स्थापना

मुजफ्फरनगर। प्राथमिक विद्यालय बरूकी न्याय पंचायत गादला विकास क्षेत्र मोरना में छात्र–छात्राओं को इको क्लब के मूल उद्देश्य व उनके प्रभावी कारण के बारे में बताया गया इस अवसर पर विद्यालय के प्रधान अध्यापक अभिषेक शर्मा ने विद्यार्थियों में पर्यावरण के लिए जागरूकता एवं रुचि बढ़ाने के लिए ही विद्यालयों में इको क्लब की स्थापना सरकार द्वारा इस वर्ष की गई है जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को वृक्षारोपण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना प्रदूषण के कारण कारण एवं बचाव प्लास्टिक के प्रयोग से होने वाली हानी इत्यादि के विषय में बताना ही इको क्लब का मूल उद्देश्य बताया। इस अवसर पर विद्यालय

की छात्राओं व छात्रों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं वह छात्रों द्वारा पौधारोपण किया गया जिसमें वीरा राधा जीविका आयुषी शिवानी परी व नैतिक शिवा अनमोल उमंग द्वारा पौधारोपण किया गया। विद्यालय में कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अनुज कुमार सहायक अध्यापक ने किया और बच्चों को इको क्लब के माध्यम से छात्राओं में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करने को बताया और साथ ही छात्राओं द्वारा अपने माता–पिता और पड़ोस के लोगों को भी पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। सहायक अध्यापक शैली सिंह ने भी बच्चों को प्रदूषण व पर्यावरण के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी और भविष्य में छात्राओं द्वारा प्लास्टिक का प्रयोग नया करने पर भी जोर दिने के लिए प्रेरित किया गया।

बढ़े महाविद्यालय, पढ़े महाविद्यालय

प्रयागराज। आज प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय से संबद्ध और बलराम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा संचालित सिटीजन गर्ल्स कॉलेज, बलराम नगर ,नैनी में श्पढ़े महाविद्यालय, बड़े महाविद्यालय श्और श्दहेज मुक्त भारत के लिए प्रतिज्ञा, तथा नशा मुक्त भारत के लिए प्रतिज्ञाष कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत सर्वप्रथम 11रू00 बजे से 12रू00 बजे तक महाविद्यालय की छात्राओं के साथ ही प्राध

यापिकाओं और गैर शैक्षिक कर्मचारियों ने एक साथ पुस्तक पढ़ा, साथ ही यह संकल्प लिया कि सभी लोगों को पुस्तक पढ़ने के लिए जागरूक करेंगे । पुस्तकों का स्थान कोई अन्य माध्यम नहीं ले सकता है। अपराह्न 12.15 बजे छात्राओं ने अपने प्राचार्य और प्राध्यापिकाओं के साथ दहेज मुक्त भारत और नशा मुक्त भारत के लिए प्रतिज्ञा ली। छात्राओं को प्रतिज्ञा दिलाने के पश्चात प्राचार्य डॉक्टर मधुलिका सिंह ने कहा कि इस प्रतिज्ञा को अपने जीवन में उतारना आवश्यक है। कार्यक्रम में उप प्राचार्य उमा लता पटेल, अनुराधा अरोड़ा, अंजना गौड़,अंजलि सैमुअल, शालिनी बसेड़िया , सचिन श्रीवास्तव, फराज अहमद और उर्मिला के साथ छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया ।यह समस्त कार्यक्रम महाविद्यालय की प्रबंधक श्रीमती उमा सिंह के निर्देश पर संपन्न हुआ।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के गांधीनगर सेवा केंद्र में मनाया गया भारत का पर्व होली महोत्सव

मुजफ्फरनगर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के गांधीनगर सेवा केंद्र में मनाया गया भारत का पर्व होली महोत्सव सेवा केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी बबीता दीदी जी ने सर्वप्रथम परमात्मा को भोग स्वीकार करा कर सभी भाई बहनों को दी होली की शुभकामनाएं और बताया होली का आध्यात्मिक रहस्य उन्होंने कहा कि यह पावन त्यौहार परमात्मा के रंग में रंग जाने का त्यौहार होता है होलिका दहन में हमे अपने मन के सारे विकारों का दहन कर इस पावन पर्व पर अपने अपने आत्मा को पवित्र बनाना है, जब ईश्वरीय रंग चढ़ता है तो

मन इंद्रधनुष के सातों रंगों के समान पवित्र शांत प्रेम सुखद का अनुभव करता है और हमारे जीवन में आनंद, शक्ति ,ज्ञान की अनुभूति से हमारी आत्मा चमकने लगती है और कहां की हम होली के त्यौहार में एक दूसरों को रंग नहीं लगाते बल्कि ज्ञान का रंग एक दूसरे पर लगाते हैं और यह एक ऐसा रंग है जो प्रभु प्रेम का रंग है सत्यता का रंग है जिसके रंगने के बाद हम खुद भी अपने अंदर सुखी संपन्न होने का अनुभव प्राप्त करते हैं सेवा केंद्र में आए हुए सभी भाई–बहनों ने बहुत उमंग उत्साह से फूलों की होली खेली और इस होली पर्व पर अपने अंदर से कमी कमजोरी को दूर करने का लिया संकल्प इस अलौकिक होली महोत्सव में करीब 200 भाई बहनों ने भाग लिया।

एसडीएम खतौली मोनालिसा जौहरी ने किया थाना रतनपुरी का औचक निरीक्षण

महिला संबंधी अपराधों पर तुरंत हो कार्यवाही: एसडीएम मोनालिसा जौहरी

मुजफ्फरनगर। जनता की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए उप जिला मजिस्ट्रेट खतौली मोनालिसा जौहरी ने थाना रतनपुरी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर का गहन निरीक्षण कर पुलिस व्यवस्था की समीक्षा की और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम मोनालिसा ने कार्यालय, हवालात, भोजनालय, बैरक, शस्त्रागार, महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क और अभिलेख कक्ष का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने अपराध रजिस्टर, त्योहार रजिस्टर समेत अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों की जांच कर उन्हें अद्यतन और सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। एसडीएम ने अपराधियों की सूची की समीक्षा कर वांछित एवं इनामी अपराधियों व गैर– जमानती वारंटियों की गिरफ्तारी तेज करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने थाना

प्रभारी को स्पष्ट किया कि अपराध नियंत्रण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। एसडीएम ने बीट पुलिसिंग व्यवस्था की समीक्षा करते हुए बीट पुलिसकर्मियों को अधिक सतर्क और सक्रिय रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बीट स्तर पर अपराध नियंत्रण और खुफिया जानकारी जुटाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि किसी भी बीट क्षेत्र में लापरवाही या सुस्ती देखने को मिली तो सख्त कार्रवाई होगी। एसडीएम ने समुदाय की भागीदारी से पुलिस को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए पुलिस मित्रों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने थाना प्रभारी को निर्देश दिए कि अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करे, उन्होंने कहा कि जनता और पुलिस के बीच समन्वय बढ़ाने से अपराधों की रोकथाम में और अधिक सफलता मिलेगी।

महिला सुरक्षा पर विशेष ध्यान देते हुए एसडीएम ने महिला संबंधी अपराधों और शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि हर महिला शिकायतकर्ता की बात पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनी जाए और निष्पक्ष, त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

एसडीएम ने सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए महत्वपूर्ण स्थानों, तिराहों, चौराहों व सार्वजनिक स्थलों पर अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगवाने के निर्देश दिए साथ ही थाने में आने वाले प्रत्येक फरियादी के साथ सम्मानजनक और संवेदनशील व्यवहार किया जाए। जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाए और उनकी शिकायतों का निष्पक्ष निस्तारण किया जाए। इस दौरान पुलिस क्षेत्राधिकारी बुढ़ाना श्री गजेंद्र कुमार थाना प्रभारी रतनपुरी व अन्य पुलिसकर्मी सभी उपस्थित रहे।

बालिकाओं की सुरक्षा,सम्मान और स्वावलंबन का संकल्प ले समाजः बीईओ उरुवा

उरुवा में 'मिशन शक्ति अभियान फेज–5' के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन आत्मरक्षा के लिए मिशन शक्ति की ब्लॉक स्तरीय प्रदर्शनी संपन्न

मेजा। राज्य परियोजना एवं जिला परियोजना कार्यालय से प्राप्त निर्देश के क्रम में कल शुक्रवार को विकास खंड उरुवा के खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के प्रांगण में मिशन शक्ति का विकास खंड स्तरीय कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ एआरपी उरुवा सुनील शुक्ला द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया। उच्च प्राथमिक विद्यालय मोनाई की छात्राओं के द्वारा सरस्वती वंदना तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय बिगहनी की छात्राओं के द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत की गई। एआरपी सुनील शुक्ला ने कहा कि प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ष मिशन शक्ति अभियान ष की फेज–5 के तहत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण, आत्मरक्षा और स्वावलंबन सुनिश्चित करने के लिए ब्लॉक के परिषदीय विद्यालयों के बच्चों के द्वारा गाँव–गाँव में आयोजित किये जा रहें है और प्रदेश सरकार की इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में बालिकाओं को केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी भी जा रही है। जिसमें मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ योजना, आयुष्मान योजना, निराश्रित महिला पेंशन

योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आदि महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल है। इन योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक सामाजिक और शैक्षिक रूप से सशक्त बनाना है। वहीं कार्यक्रम के दौरान महिला हेल्पलाइन सेवाओं और आपातकालीन नंबरों की उपयोगिता पर भी विशेष जोर दिया गया। जिसमें वूमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, सीएम हेल्पलाइन 1076, महिला हेल्पलाइन 181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102 और एंबुलेंस सेवा 108 जैसे महत्वपूर्ण नंबरों के बारे में छात्रओं को जागरूक किया गया। यूपीएस सोनाई और संविलियन विद्यालय टुडीहार की छात्राओं के द्वारा बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ पर बहुत ही सुंदर नाटक प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक के एआरपीगण द्वारा विभिन्न परिषदीय विद्यालयों की छात्राओं के साथ संवाद भी किया गया। इस दौरान छात्राओं को अपनी सुरक्षा के लिए सतर्क और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रेरित भी किया गया। वहीं संविलियन विद्यालय चौकी की छात्राओं के द्वारा आत्मरक्षा के बारे में जानकारी दी गई और यूपीएस नरवर चौकठा की छात्राओं के द्वारा भ्रूहत्या पर बहुत ही अच्छा नाटक प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक की नोडल शिक्षक चित्रा शुक्ला ने कार्यक्रम के रूपरेखा की पूरी विस्तृत व्याख्यान सबके सामने रखी। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक के चारों एआरपी सुनील शुक्ला, राजेश मिश्रा, प्रीतम दास व विमलेश यादव तथा नोडल शिक्षक चित्रा शुक्ला द्वारा ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों से आये मीना मंच स्टॉल पर लगे प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। वहीं सुगमकर्ताओं द्वारा अपने विद्यालय के मीना मंच की गतिविधियों व उपलब्धियों तथा जीवन कौशल शिक्षा व बाल संसद की जानकारी प्रदान की गई। उक्त अवसर पर कार्यक्रम प्रभारी व लेखाकार बीआरसी उरुवा कृष्ण कुमार शुक्ला, मुकेश शुक्ला, संतोष दुबे, दीपिका शुक्ला, शुभ्रा वर्मा, आरती मिश्रा, मनसा, सुभाष चंद्र सिंह, नीलिमा, शालनी शुक्ला, समा अख्तर, रंजना, प्रतिभा अवस्थी, मंगला प्रसाद, रश्मि बहल, रविशंकर, मंजूश्री, रविन्द्र मौर्य, पल्लवी निगम, साजिया तसनीम, जितेंद्र यादव व ओम प्रकाश द्विवेदी आदि शिक्षक, सुगमकर्ता उपस्थित रहें।

संयुक्त व्यापार संघ संघर्ष समिति ने नगर में ई–रिक्शाओं के सुलभ यातायात हेतु एसपी ट्रैफिक अतुल कुमार चौबे को सौंपा ज्ञापन

मुजफ्फरनगर। व्यापारी नेताओ ने एस पी ट्रैफिक मुजफ्फरनगर से मांग की गई कि–नगर में ई–रिक्शाओं के सुलभ यातायात करने हेतु

नंबर 1–अवैध ई–रिक्शा व नाबालिगो द्वारा चलाई जा रही ई रिक्शा पर रोक लगाई जाए।

नंबर 2–प्रत्येक रूट पर कलर के अनुसार ई–रिक्शाओं का संचालन कराया जाना चाहिए।

नंबर 3– अभी 2 दिन पूर्व ट्रैफिक विभाग द्वारा जो एडवाइजरी लागू की गई है जिसमें नावल्टी चौक से आगे,झांसी रानी चौक से आगे, मीनाक्षी चौक से आगे,सवारी से भरी ई रिक्शाओं को जाने नहीं दिए जाने का आदेश लागू किया है यह ठीक प्रतीत नहीं होता है इसमें बाजार में आने वाले महिलाओं, बच्चों,बुजुर्गों,व विकलांगों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ेगा।

नंबर 4– कलर के हिसाब

से ई–रिक्शा चालकों को उनके कार्य क्षेत्र के बारे में अवगत करा दिया जाना चाहिए जिसका जो कार्य क्षेत्र हो वह अपनी रिक्शा का संचालन उसी रूट पर कर सके।

नंबर 5– ट्रैफिक विभाग द्वारा ई रिक्शाओं की आर सी,इंश्योरेंस,व चलाने वाले का ड्राइविंग लाइसेंस भी चेक किया जाना चाहिए।

नंबर 6–लोहे के डिवाइडर जो टूटे हुए हैं ठीक कराए जाएं व उन पर रिफ्लेक्टर लगवाए जाएं जिससे कोई दुर्घटना का शिकार न हो।

इस दौरान संयुक्त व्यापार संघ संघर्ष समिति के संरक्षक कृष्ण गोपाल मित्तल,अध्यक्ष संजय मिश्रा,संयोजक राकेश त्यागी,सुनील तायल,विशाल जैन,रमन शर्मा,शलभ गुप्ता,विक्की चावला,सचिन शर्मा,सुखबीर सिंह,रवि शर्मा,राजकुमार कालरा,तरुण मित्तल,हरिओम शर्मा,विजय प्रताप सिंह,मुकेश गुप्ता,विक्की अरोड़ा,भूपेंद्र गोयल,देव भारद्वाज सहित अनेकों पदाधिकारी उपस्थित रहे।

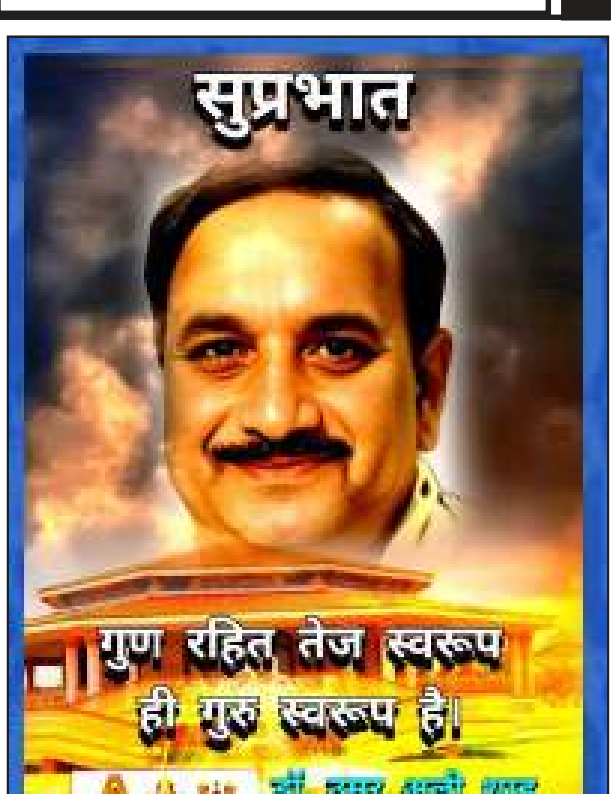

फागुन कहता है यही

(कुण्डलिया)

फागुन के अंतस छिपा, 'प्रेम' शब्द का अर्थ।
साधु समझ पाए नहीं, दुनिया बूझे व्यर्थ।
दुनिया बूझे व्यर्थ, कहे फूलों की टोली।
दिल में भरो सुगन्ध, करो फिर हँसी–ठिठोली।
हँसकर कहें प्रदीप, रंग की पहले लो सुन।
पाया जिससे रंग, बताते उसको फागुन। ।

महिमा गाओ भंग की,जिसने घोला रंग।
फागुन कहता है यही,अपनों के रह संग।
अपनों के रह संग,दिलों की खुशियाँ बनकर ।
महकाओ संसार, प्यार की दुनिया रचकर।
सुन लो कहें प्रदीप, रखे जो सब की गरिमा।
दुनियाभर के लोग, उसी की गाते महिमा।।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज प्रयागराज

धूमधाम से मनाया गया होली का महोत्सव

मुजफ्फरनगर। इंदिरा कॉलोनी वार्ड 39 में ठाकुर जी की होली का महोत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया श्रद्धालु महिलाओं द्वारा अपने–अपने लड्डू गोपाल को लाकर दरबार में बिठाया गया वहीं श्री वृंदावन धाम संकीर्तन मंडल द्वारा ठाकुर जी की होली के सुंदर–सुंदर भजन श्रद्धालुओं को लुभाने को मजबूर

हुए जिससे श्रद्धालु महिलाओं ने ठाकुर जी की होली में फूलों की होली और गुलाल उड़ाकर बड़े हरसोला के साथ ठाकुर जी की होली मनाई इसके साथ ठाकुर जी की आरती हुई। और कढ़ी चावल आलू पुरी हलवा का भोग लगाकर सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया इस पूरे कार्यक्रम में संकेतन मंडल संचालक सत्यपाल सिंह दिशा शर्मा, शंकर, नरेंद्र, बिट्टू ग्रोवर, विद्या शर्मा, ऋषि राज शर्मा गोविंद, नंदू, रवि राज शर्मा, आरती शर्मा, छवि, ज्योति, निशी शर्मा, राधिका शर्मा आदि का विशेष सहयोग रहा।

बाल वैज्ञानिक हर्षित सहरावत का इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में चयन

मोरना। इंटर कॉलेज भोकरहेड़ी के कक्षा 9 के छात्र हर्षित सहरावत का चयन भारत सरकार द्वारा आयोजित इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के अंतर्गत हुआ है। हर्षित सहरावत को कॉलेज स्टाफ व कस्बावासियों ने शुभकामनाएं दी हैं। विद्यालय के विज्ञान शिक्षक और कार्यक्रम के प्रभारी लेफ्टिनेंट अमित राणा ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत छात्र–छात्राओं के अंतर्मन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करना है। उनके अंदर नवाचार की

भावना पैदा करना, नए–नए आविष्कार करने के विचार उनके मन में आएं और मुख्य उद्देश्य उनके द्वारा ऐसे नए आविष्कार हो, जिनका मानव समाज को लाभ मिले। हर्षित सहरावत 82 यूपी बटालियन एनसीसी के अंतर्गत इंटर कॉलेज भोकरहेड़ी का एक एनसीसी कैडेट भी है। इस पुरस्कार के अंतर्गत हर्षित सहरावत को दस हजार रूपये नगद पुरूस्कार दिया गया है। यह राशि छात्र को अगले चरण की प्रतियोगिता के लिए अपने आविष्कार के लिए दी गई है। कमांडिंग ऑफिसर कर्नल प्रवीण भाल, प्रशासनिक अधिकारी कर्नल नवीन पाराशर, एनसीसी अधिकारी कपिल कुमार ने हर्षित की इस उपलब्धि पर कैडेट को बधाई दी है। विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्य कैप्टन डॉ. प्रवीण चौधरी, रामेश्वर राम, सुरेशचंद, गोविंद वर्मा, दिनेश शर्मा, सुनील कुमार, उत्तम मलिक, ईशा सहरावत, कपिल कुमार, अमित कुमार आदि शिक्षकों ने छात्र का स्वागत किया और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। छात्र के पिता दीपक कुमार भी प्राथमिक विद्यालय भोकरहेड़ी में शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं।

सम्पादकीय.....

पंजाब में उबाल

भारतीय किसान यूनियन के एक घटक द्वारा चंडीगढ़ में नये सिरे से आंदोलन शुरू करने की चेतावनी के बाद पुलिस–प्रशासन की सख्ती से बुधवार को सामान्य जीवन व यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ। चंडीगढ़ से लगते इलाकों में पुलिस के अवरोधों के चलते वाहन घंटों जाम में फंसे रहे। पुलिस आंदोलनकारियों से निबटने के लिये सख्त बनी रही और कई किसान नेताओं को गिरफ्तार किया गया। चंडीगढ़ के अनेक प्रवेश मार्गों को सील किया गया था और भारी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर शुरू हुए आंदोलन से उपजे हालात पर आम लोग कहते रहे कि जाम किसानों की तरफ से है या सरकार की तरफ से। दरअसल, पंजाब जो लंबे समय से कृषि क्षेत्र में उदार दृष्टिकोण रखने वाला राज्य रहा है, तंत्र की संवेदनहीनता और शासन की सख्ती के चलते अशांत नजर आता है। भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की सरकार, जिसे कभी बदलाव का अग्रदूत कहा जाता था, अब खुद को प्रमुख हितधारकों– किसानों, राजस्व अधिकारियों और नौकरशाही के साथ उलझी हुई पा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि कहां कमी रही कि कृषि क्षेत्र अशांत बना हुआ है। समय रहते किसानों की मांगों को पूरा न किए जाने और कारगर समाधान के लिये परामर्श न मिल पाने से निराश किसान यूनियनों ने नये सिरे से विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। जिसकी परिणति 'चंडीगढ़ चलो मार्च' के रूप में सामने आई है। किसान नेता आरोप लगा रहे हैं कि किसानों की समस्याओं के समाधान पर संवेदनशील रवैया अपनाने के बजाय दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। जिसे वे देर रात छापेमारी करके किसान नेताओं की गिरफ्तारी और चंडीगढ़ की सीमाएं सील करने के रूप में देख रहे हैं। किसान नेता आरोप लगा रहे हैं कि मुख्यमंत्री मान ने किसानों की बैठक में से नाटकीय ढंग से वॉकआउट करके अपनी हताशा को ही जाहिर किया है। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री का कहना है कि पंजाब में किसान संगठनों में आंदोलन करने की होड़ मची है। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि पंजाब धरनों का राज्य बनता जा रहा है। उनका कहना है कि सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जोरदार जंग लड़ रही है। सरकार ने किसानों के हितों की रक्षा के लिये तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों सहित पंद्रह राजस्व अधिकारियों को निलंबित किया है। साथ ही अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन न करने वाले कई अन्य अधिकारियों का तबादला किया गया है। जिसके विरोध में राजस्व अधिकारियों ने तल्ख प्रतिक्रिया व्यक्त की। जिसके प्रत्युत्तर में राजस्व अधिकारियों ने सामूहिक अवकाश लेने का विकल्प चुना। जिसके चलते प्रशासनिक काम बुरी तरह प्रभावित हुआ। हालांकि, बुधवार शाम उन्होंने अपनी हड़ताल वापस ले ली है। वैसे एक हकीकत यह भी है कि भले ही सरकार सख्त रवैया अपनाते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई के जरिये अपनी ताकत दिखा सकती है, लेकिन प्रणालीगत भ्रष्टाचार और नौकरशाही की नाराजगी की गहरी गुत्थी अभी भी अनसुलझी है। सवाल उठाया जा रहा है कि सरकार की यह सख्ती क्या हताशा का पर्याय है? वहीं प्रशासन का तर्क है कि लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शन से बड़े निवेशक पंजाब में निवेश करने से कतरा रहे हैं। जिससे राज्य का आर्थिक विकास बाधित हो सकता है। लेकिन सवाल यह भी कि कृषि प्रधान राज्य क्या किसानों के हितों की अनदेखी कर सकता है? जिस तरह से लंबे समय से आंदोलनरत किसानों की मांगों के प्रति उदासीनता दर्शायी जा रही है, उससे किसानों की लोकतांत्रिक भागीदारी को लेकर चिंताएं पैदा होती हैं। निश्चित रूप से किसी भी लोकतांत्रिक आंदोलन के दमन से सामाजिक विभाजन और गहरा होता है। दरअसल, पंजाब का संकट सिर्फ हड़ताली अधिकारियों या फिर विरोध करने वाले किसानों को लेकर ही नहीं है। यह असंतोष शासन की रीति–नीतियों पर भी सवाल उठाता है जो आंदोलनकारियों से सहज संवाद की कला को खोता प्रतीत हो रहा है। निश्चित रूप से अपने राज्य के लोगों के साथ सख्ती का व्यवहार तंत्र की नाकामी को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से निराशाजनक वातावरण को यथाशीघ्र दूर करने के प्रयास किए जाने चाहिए।

हू आफ्टर औरंगजेब?

डॉ. दीपक पाचपोर

2014 के बाद, यानी नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में नेहरू–मुसलमान सम्बन्धों की पुस्तक में नया अध्याय यह जुड़ गया कि नेहरू के पुरखे मुसलमान थे। यानी वे ऐसे परिवार के हैं जो पहले मुस्लिम था।

एक बड़ा वर्ग एक ओर जहां इस बात को मानकर गदगद है कि भारत में हिन्दू राष्ट्र की स्थापना हो चुकी है क्योंकि लगभग एक हजार वर्षों के बाद कोई हिन्दू शासक दिल्ली के सिंहासन पर बैठा है, तो वहीं उसे यह देखकर दुख भी होता है कि देश के सियासी गलियारे में अब भी मुगलिया शासकों की उपस्थिति बनी हुई है। जिस प्रकार से इस्लामी शासकों द्वारा हिन्दुस्तान पर राज किये जाने की एक ऐतिहासिक क्रोनोलॉजी है, वैसे ही जैसे–जैसे नरेन्द्र मोदी प्रवर्तित वर्तमान हिन्दू शासनकाल आगे बढ़ रहा है, वैसे–वैसे मुस्लिम शासकों की शामत आ रही है। इस्लामोफोबिया को रंग व हवा देने के लिये बाबर से शुरु कर भारतीय राजनीति को इन दिनों औरंगजेब की याद जोरों से आ रही है। सवाल यह है कि इस कथित 'जल्लाद' और 'हिन्दू विरोधी' के बाद किस शासक का नम्बर आयेगा क्योंकि उनके बाद से मुगलिया सल्तनत लगातार कमजोर हो चली थी जो बहादुरशाह जफर के बाद पूरी तरह खत्म हो गयी? औरंगजेब से जफर के बीच कोई भी उल्लेखनीय बादशाह तो हुआ नहीं, हुए भी तो इतने कमजोर कि उनके नाम भी किसी को मालूम नहीं। शुक्र है कि मुगलों के वारिस कोलकाता की झोपड़पट्टियों में जीवन बिता रहे हैं, वरना वे भी आज आलोचना के केन्द्र में होते– ध्रुवीकरण के उपकरण के रूप में। वैसे तो मुस्लिमों को लेकर होने वाली सियासत का दौर आजादी के पहले से ही शुरू हो गया था। यह सर्वज्ञात तथ्य है कि हिन्दू महासभा और मोहम्मद अली जिन्ना की मुस्लिम लीग के कारण देश विभाजित हुआ। फिर भी जब देश दो हिस्सों में बंट ही गया और जिन्ना पाकिस्तान के गर्वनर जनरल बनकर चले गये तो यहां रह गये महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू तथा कांग्रेस जिन्हें देश को बांटने का जिम्मेदार माना गया। गांधी को इसी कारण से मार डाला गया तथा नेहरू की न केवल उनके जीवन पर्यंत वरन अब तक मुसलमानों के कथित तुष्टिकरण के लिये निंदा होती है। 2014 के बाद, यानी नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में नेहरू–मुसलमान सम्बन्धों की पुस्तक में नया अध्याय यह जुड़ गया कि नेहरू के पुरखे मुसलमान थे। यानी वे ऐसे परिवार के हैं जो पहले मुस्लिम था। भारतीय जनता पार्टी के आईटी सेल द्वारा रचित एवं वाट्सएप विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के जरिये लोगों को ज्ञात हुआ कि उनका वंश किसी गियासुद्दीन गाजी से सम्बद्ध है। जिस देश में ज्यादातर हिन्दुओं की कई पुश्तों का विवरण प्रयागराज और हरिद्वार में उन घाटों के पंडितों के सैकड़ों वर्षों से लिखे जा रहे बही–खातों में दर्ज हैं जहां पितरों का अस्थि विसर्जन होता है, उसी देश के लोगों ने नेहरू के मुस्लिम कनेक्शन को सच मान लिया। इंदिरा गांधी के पारसी पति फिरोजशाह को भी मुस्लिम साबित करने में कोई दिक्कत नहीं आई। चूंकि राहुल व प्रियंका की मां सोनिया ईसाई परिवार से आती हैं तो इस तड़के में एक और जायका मिलाकर विमर्श आगे बढ़ा जिसके कई आयाम खुलते हैं। 1991 में देश की राजनीति में बाबर का प्रवेश गाजे–बाजे के साथ भाजपा द्वारा किया गया– अयोध्या के रामजन्मभूमि मंदिर को मुद्दा बनाकर। देश में मुगल सल्तनत की नींव रखने वाले बाबर के सेनापति मीर बाकी द्वारा इसे तुड़वाकर (1528–29) बाबरी मस्जिद बनवाई गयी थी। इसे लेकर भाजपा का रामजन्मभूमि आंदोलन हुआ। लालकृष्ण आडवाणी की सोमनाथ से लेकर निकली रथयात्रा ने देश की राजनीति का विमर्श कुछ यूं बदला कि पहले अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में 3 बार (क्रमशः 13 दिन, 13 माह व पूर्णकालिक) सरकारें बनीं। इस दौरान किसी को बाबर याद नहीं आया। कभी–कभार उसका उल्लेख इन शब्दों में ही होता था कि श्काबुल में उसके मकबरे पर कोई नहीं जाता पर भारत में उसकी पूछ–परख बनी हुई है।श इस तंज के निशाने पर कांग्रेस होती थी। संविधान की भावना के अनुरूप अल्पसंख्यकों की सरकार की ओर से देखरेख को श्तुष्टिकरणश बतलाया जाता रहा। 2014 के बाद से यह विमर्श सघन तो हुआ ही, बहुस्तरीय भी बन गया। एक तरफ भाजपा ने खुद को हिन्दुओं की पार्टी बना डाला तो वहीं सरकार ऐसे कानून बनाने लग गयी जिसके निशाने पर किसी न किसी तरह से मुस्लिम ही होते हैं। फिर चाहे वह नागरिकता कानून हों या जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति, तीन तलाक का खात्मा या वक्फ बोर्ड में बदलाव। स्वयं मोदी चुनावी सभाओं से लेकर संसद के भीतर अपने भाषणों में मुस्लिम विरोधी विमर्श के सूत्रधार बने हुए हैं। एक तीसरा वर्ग है जो ट्रेनों–बसों में किसी मुस्लिम को देखकर हनुमान चालिसा का पाठ करने लगता है या फिर हिन्दू त्यौहारों पर मंदिरों की बजाये मस्जिदों या चर्चों के सामने (घुसकर भी) धार्मिक नारे लगाता है। उसे किसी मुसलमान के घर की छत पर इस्लामी झंडा फहराने से लेकर किसी मजार को खोदने अथवा ताजमहल में पूजा करने में कोई उज्र नहीं है। किसी पुस्तक को हाथ भी न लगाने वालों को वर्षों पहले नालंदा विश्वविद्यालय के जलाये जाने का दुख अब जाकर साल रहा है। इसी के तहत फिलहाल भारत की राजनीति में औरंगजेब तहलका मचाये हुए हैं। दो साल पुराना एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें एक युवा सार्वजनिक शौचालय में औरंगजेब की तस्वीर चस्पां कर रहा है तो वहीं मुम्बई में समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी के खिलाफ इसलिये एफआईआर हो रहा है क्योंकि वे औरंगजेब की शासन प्रणाली की तारीफ कर देते हैं।

अंबानी के जंगल में मोदी

सर्वमित्रा सुरजन

नरेन्द्र मोदी ने अपने आलोचकों को कड़ा जवाब दे दिया है। पिछले 11 सालों से वे सुन–सुन कर तंग आ गए थे कि मोदी साक्षात्कार से घबराते हैं, मोदी चीन को लाल आंखें नहीं दिखाते, मोदी ये नहीं करते, मोदी वो नहीं करते। अब मोदी ने कुछ ऐसा कर दिखाया कि सबकी बोलती बंद हो गई। इस काम में उनके मित्र मुकेश अंबानी बड़े मददगार साबित हुए। हर कोई ट्रंप जैसा नहीं होता, जिनका नाम लेकर कांग्रेस ने तंज कसा था कि दुश्मन न करे, दोस्त ने वो काम किया है..। मुकेश भाई ने कैसेट पलट कर ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगे, बजा दिया। मोदी के दुश्मनों को आईना दिखाने के लिए उनसे अपने निजी जंगल वनतारा का उद्घाटन करवा दिया। वनतारा को दुनिया का सबसे बड़ा वन्यजीव बचाव और पुनर्वास केंद्र बताया जा रहा है। एक निजी जमीन पर बना जंगल और उसमें रखे गए जानवरों पर कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं, लेकिन उसकी चर्चा बाद में। पहले देख लेते हैं कि मोदीजी ने कैसे बुरी नजर वालों को अपनी टेढ़ी नजरें दिखा दीं। सोशल मीडिया में प्रधानमंत्री मोदी ने जानवरों के साथ अठखेलियां करते, लाड़ करते–दुलारते, निहारते कई तस्वीरें और वीडियो डाले हैं। मैन वर्सेज वाइल्ड की शूटिंग हुए छह साल बीत गए, लेकिन पिक्चर अभी बाकी है। वाइल्ड लाइफ का एडवेंचर जैसे आजकल नवधनाढ्यों के सिर पर सवार रहता है, उसकी झलक मोदी के वनतारा एडवेंचर में देखने मिली। यहीं उन्हें अपने आलोचकों का मुंह बंद करने का भी मौका मिला, जो उन्हें डरपोक कहते थे, तंज कसते थे कि मोदी पत्रकारों का सामना नहीं कर सकते। लेकिन आलोचकों को ये नहीं पता था कि मोदी उनका सामना कर सकते हैं, जिसे दुनिया बब्बर शेर कहती है। मोदी अब कह सकते हैं कि जाओ जाकर राहुल के बब्बर शेरों को कह दो कि मैं असली बब्बर शेरों से मिलकर आया हूं। जाओ जाकर मुझसे सवाल पूछने के उत्सुक लोगों को कह दो, मैंने शेर और चीते का साक्षात्कार किया है। अब ये अलग बात है कि मोदी जब शेर, चीते, सिंह सब से साक्षात मिल रहे थे तो बीच में एक कांच की दीवार थी। इधर से शेर अपना हाथ मारता, उधर से मोदी अपना हाथ देते, दे ताली। अगर पत्रकार भी इसी तरह कांच की दीवार के आर–पार साक्षात्कार लेने की कला सीख जाएं, तो फिर मोदी एक क्या सौ सवालों पर इसी तरह दे ताली कर देंगे। हाथों की कला तो उन्हें वैसे भी खूब आती है। अमेरिका में पत्रकार ने अडानी पर सवाल पूछा था तो उस वक्त दे ताली नहीं कर पाए, मगर हाथ नचा कर अच्छे से जवाब दे ही दिया था। वनतारा में मोदी को गोदी मीडिया वाले पत्रकारों को खिलाने जैसा आनंद भी आया। एक वीडियो आया है जिसमें मोदी शेर और सिंह शावकों को गोद में बिठाकर पुचकार रहे हैं, बोतल से दूध पिला रहे हैं। एक नन्हा सिंह तो दहाड़ने की कोशिश करता भी दिखा। नादान है उसे नहीं मालूम कि जिसकी गोद में बैठते हैं, उसके सामने न दहाड़ते हैं, न दहाड़ने का दिखावा करते है। इस मामले में अपनी मौसी बिल्ली से सीखने की जरूरत है। मोदी ने मेडागास्कर में पाए जाने वाले दुर्लभ लेमूर को भी अपनी गोद में बिठाकर खाना खिलाया। लेमूर वानर कुल का ही प्राणी है। कुशल मदारी अच्छे से जानता है कि अपने बंदर को कैसे नचाना है, कब उसे खिलाना है, कब उसके जरिए खिलवाड़ करके दिखाना है। वो तो मेनका गांधी ने अगर भालुओं और बंदरों की रक्षा का स्वघोषित जिम्मा नहीं उठाया होता तो आज सड़कों पर कई मदारी वनतारा से बेहतर मनोरंजन लोगों का कर के दिखाते, लेकिन एक को विजेता बनाने के लिए सारों को रास्ते से हटा दिया गया। खैर, करीब साढ़े तीन हजार एकड़ में बने अंबानी के इस जंगल में मोदी ने ढेर सारे जीव जंतुओं से मुलाकात की। थलचर, जलचर, नभचर सारे प्राणी परमात्मा के साक्षात अंश से मिलकर गदगद हुए होंगे, ऐसा मान लेना चाहिए। वर्ना जानवरों तो अपने जंगलराज में ही मगन रहते हैं, उन्हें कहां मौका मिलता है कि वो लोक राज के मुखिया से भी मिलें। हो सकता है मोदीजी ने उनकी भाषा में बताया भी हो कि अब बिहार में चुनाव होने हैं, और वहां हमें बार–बार जंगलराज की बात करनी पड़ती है। इसलिए आप लोग मुझे सीधे फर्स्ट हैंड जानकारी दें कि आपके असली जंगलराज में आखिर होता क्या है। जैसे बिल गेट्स से एआई और एलन मस्क से सीधे एक्स और टेस्ला की जानकारी मोदी ले चुके हैं, वैसे ही अबकी बार जंगलराज से सीधा साक्षात्कार, का नारा वनतारा में उन्होंने बुलंद किया होगा। यहां मोदी को अजगर, ऊदबिलाव, ओरंगुटान, दरियाई घोड़ा, फ्लेमिंगो और शायद गिद्ध या बाज से भी मिलने का मौका मिला। सुअर शायद वनतारा में नहीं हैं या होंगे भी तो उनके साथ मोदी की तस्वीर देखने नहीं मिली। वैसे भी योगीजी ने तो बताया है कि गिद्ध और सुअर महाकुंभ पर नजर रखे थे। मोदीजी ने शीशे के पुल पर खड़े होकर नीचे पानी में घड़ियालों को भी देखा। इस मुलाकात के वीडियो को देखकर समझना कठिन था कि कौन किसको देखकर चुनौती महसूस कर रहा है। हाल–फिलहाल कोई चुनाव नहीं है, न ये कोई विदेशी दौरा था, जहां सबके सामने आंसू बहाने की जरूरत पड़े। अगर ऐसी नौबत आती, तब तो घड़ियाल सोचते कि अच्छा है हम पानी में ही ठीक हैं, कम से कम यहां मुंह छिपा कर अपने आंसू भी छिपा लेंगे, बाहर रहते तो आंसू बहाने की प्रतियोगिता में हार ही जाते। मोदीजी को वनतारा के फ्लेमिंगों के बीच जाकर अपनेपन का खासा अहसास हुआ होगा। नारंगी फ्लेमिंगों को क्या पता कि उनका रंग देश में कितना सियासी रसूख रखता है। वैसे कानपुर के चिड़ियाघर में रखे गए सारस को बेहद अफसोस हो रहा होगा कि अंबानी की मेहरबान नजरें उस पर क्यों नहीं पड़ीं। आरिफ ने तो उस सारस के साथ खूब दोस्ती निभाई, लेकिन यहां पशु पक्षियों के संरक्षण और बचाव के लिए बनाए गए कठिन वन्य कानून आड़े आ गए और आरिफ से उस सारस को न केवल अलग कर दिया गया, बल्कि अब आरिफ को सारस से मिलने की भी इजाजत नहीं है, क्योंकि पिंजरे में कैद सारस आरिफ को देखकर मिलने के लिए तड़पने लगता है। दो साल पहले उसे वन अधिकारियों ने आरिफ से अलग कर दिया था, अब तो न जाने किस हाल में होगा। मालूम नहीं मोदीजी की वनतारा में किसी जानवर से ऐसी ही पक्की वाली निस्वार्थ दोस्ती हुई या नहीं, क्योंकि अगर वहां कोई जानवर मोदी से मिलने तड़पे तो उसमें तो कोई वन्य कानून आड़े नहीं आएगा। वैसे भी जब दुनिया भर से चुन–चुन कर जानवरों को वनतारा में रखा जा सकता है, तो क्या राष्ट्रीय, क्या अंतरराष्ट्रीय किसी कानून के बारे में पूछने का मतलब ही नहीं रह जाता। छोटे, बड़े, शाकाहारी, मांसाहारी, लुप्तप्राय, दुर्लभ तमाम तरह के जानवर गुजरात ऐसे ही तो नहीं पहुंचे होंगे, इन्हें अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से गुजारते हुए लाया गया, रखा गया, पाला गया। यह सब करने के लिए किस तरह राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सरकारों की स्वीकृति मिली, यह बड़ा सवाल है। अब मोदी वहां अपनी पूरी कैमरा टीम के साथ पहुंचे, तरह–तरह से फोटो शूट हुए। क्या हम किसी राष्ट्रीय अभयारण्य में इतनी मनमर्जी से टहल सकते हैं। वैसे जंगली जानवर इंसानों से घुलना–मिलना पसंद नहीं करते, लेकिन यहां पालतुओं की तरह उन्हें हाथ से खिलाया–पिलाया गया और वीडियो भी बनवाए गए, क्या इसमें नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ। बहुत से जानवरों का इलाज यहां हो रहा है, जिनका मुआयना भी मोदी ने किया। किसी की जान बचाना सही है, लेकिन क्या जब ये जानवर ठीक हो जाएंगे तो क्या उन्हें वापस उनके अपने घर में छोड़ा जाएगा या ये वनतारा की ही संपत्ति कहलाएंगे।

अंधविश्वासी विचारों का प्रचार करने वालों की साजिशों का पर्दाफाश होना चाहिए

डॉ. अरुण मित्रा

प्रयागराज में कुंभ स्थल पर गंगा नदी के पानी में उच्च स्तर के प्रदूषण की केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के बाद अब बिहार आर्थिक सर्वेक्षण ने एक रिपोर्ट जारी की है जिसमें कहा गया है कि बिहार में अधिकांश स्थानों पर गंगा नदी का पानी स्नान के लिए भी उपयुक्त नहीं है, क्योंकि इसमें जीवाणुओं की मात्रा बहुत अधिक है। यह अध्ययन बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा किया गया है, जो नियमित रूप से गंगा नदी में प्रदूषण के स्तर की निगरानी करता है। प्रयागराज में बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने का संज्ञान लेते हुए, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने पहले चेतावनी दी थी कि कुंभ स्थल प्रयागराज का पानी अत्यधिक प्रदूषित है। उन्होंने बताया कि प्रदूषण की मात्रा अनुमेय सीमा से कहीं अधिक है और प्रदूषकों में मल का उच्च स्तर शामिल है। 16 फरवरी, 2025 को एनजीटी ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) को उसकी खराब कार्रवाई के लिए फटकार लगायी, जिसके कारण 50 करोड़ लोगों ने न केवल अत्यधिक प्रदूषित पानी में स्नान किया, जो कई बीमारियों का कारण बन सकता है, बल्कि इससे भी बदतर यह कि लोगों को वह पानी पीना भी पड़ा। एनजीटी ने यह भी आशंका जतायी कि शायद यूपीपीसीबी किसी तरह के दबाव में है। कोई अश्चर्य नहीं कि एनजीटी की टिप्पणियों के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज का पानी पीने योग्य है। यह तब है जब केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने पाया कि 12 जनवरी और उसके बाद 23 जनवरी, 2025 को निरीक्षण के दौरान कई निगरानी स्थलों पर पानी की गुणवत्ता घटिया पायी गयी। सीपीसीबी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कई स्थानों पर बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) का स्तर सामान्य मानक तीन मिलीग्राम (एमजी) प्रति लीटर से अधिक पाया गया। उच्च बीओडी प्रदूषण के उच्च स्तर को इंगित करता है, क्योंकि सूक्ष्मजीवों को पानी में कार्बनिक अपशिष्ट को विघटित करने के लिए अधिक ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। फेकलकोलीफॉर्म बैक्टीरिया का स्तर बहुत अधिक था, जो मुख्य रूप से मानव और पशु मलमूत्र से आते हैं। इन बैक्टीरिया की मौजूदगी से पता चलता है कि पानी सीवेज से दूषित है, जिससे टाइफाइड, डायरिया और हैजा जैसी जलजनित बीमारियों के फैलने की संभावना है। यह देखा गया कि कई स्थानों पर नालों से अनुपचारित अपशिष्ट जल सीधे गंगा में बह रहा था। जबकि कुछ नालों को टैप करके उपचारित किया जा रहा था, लेकिन उपचार प्रक्रिया या तो आंशिक या अप्रभावी थी। एनजीटी की रिपोर्ट लोगों को उस प्रदूषित पानी में डुबकी लगाने से पहले सावधानी बरतने की चेतावनी थी। यह एक विरोधाभास है कि वैज्ञानिक चेतावनी के बावजूद लोग अत्यधिक प्रदूषित पानी में नहाने और पीने के लिए उमड़ पड़े। लेकिन इस विश्वास के बिना कि कुंभ के दौरान डुबकी लगाने से उन्हें देवताओं का आशीर्वाद मिलेगा, इनमें से अधिकांश लोग ऐसे प्रदूषित जल स्रोतों के पास भी नहीं खड़े होंगे। ऐसी आस्था और विश्वास जो पहले एक व्यक्तिगत मामला हुआ करता था, अब राज्य द्वारा कायम रखा जा रहा है। ऐसे आयोजनों का प्रबंधन आज तक धार्मिक संस्थाओं द्वारा किया जाता रहा है, जबकि राज्य केवल सहायक सेवाएं ही प्रदान करता रहा है। लेकिन पिछले एक दशक में राज्य न केवल इन आयोजनों को बढ़ावा देने में शामिल रहा है, बल्कि उन्हें मजबूत करने के लिए कथा–कथन भी गढ़ रहा है। इतना अधिक कि कई बार संवैधानिक संस्थाओं के लिए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करना मुश्किल हो जाता है। 12 अप्रैल 2017 को टाइम्स ऑफ इंडिया में प्रकाशित एक समाचार में चार सदस्यीय समिति ने सिफारिश की थी कि तथाकथित धर्मगुरु श्री श्री रविशंकर के आर्ट ऑफ लिविंग (एओएल) फाउंडेशन को यमुना नदी तट को हुए व्यापक और गंभीर नुकसान के लिए मरम्मत लागत के रूप में 100–120 करोड़ रुपये का भुगतान करना चाहिए। यह क्षति 2016 में दिल्ली में यमुना के तट पर एओएल द्वारा आयोजित सामूहिक उत्सव के कारण हुई थी। लेकिन एओएल ने इस आदेश का पालन नहीं किया, क्योंकि उन्हें केंद्र सरकार का संरक्षण प्राप्त था। सत्ता में बैठी सरकार द्वारा बार–बार अवैज्ञानिक कथा–कथन गढ़कर लोगों को मिथकों में उलझाए रखने का एक सूक्ष्म प्रयास किया जाता है। उदाहरण के लिए, गोमूत्र को कैंसर सहित विभिन्न बीमारियों के इलाज के रूप में प्रचारित किया जाता है। भाजपा सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने कहा था कि गाय के मूत्र से उनका स्तन कैंसर ठीक हो गया। गाय के गोबर और पंचगव्य को कई बीमारियों के लिए पसंदीदा उपचार माना जाता है। साथ ही, गाय के गोबर में परमाणु विकिरणों से बचाने की शक्ति भी होती है, उन्होंने कहा था। उत्तराखंड के सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने जुलाई 2019 में कहा था कि गाय एकमात्र ऐसा जानवर है जो ऑक्सीजन सांस लेता और छोड़ता है और इस हवा को सांस के साथ लेने से लोगों की सांस की समस्या ठीक हो सकती है क्योंकि गाय श्प्राण वायु देती है। राजस्थान उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने कहा था कि मोरनी मोर के आंसू चाटने पर संतानों को जन्म देती है। जालंधर में आयोजित भारतीय विज्ञान कांग्रेस में आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नागेश्वर राव ने कहा था कि–100 कौरव इसलिए पैदा हुए क्योंकि हमारे पास इतना उन्नत विज्ञान था कि हम प्राचीन भारत में प्रत्यारोपण के लिए स्टेम सेल का इस्तेमाल करते थे। आरोग्य भारती रति क्रीड़ा के दौरान विशिष्ट श्लोकों का जाप करके अनुकूलित शिशुओं के जन्म को बढ़ावा दे रही है। वास्तव में इस तरह की अवैज्ञानिक कथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के केंद्र में सत्ता में आने के तुरंत बाद गढ़ी गयी थी। अक्टूबर 2014 में मुंबई के एक अस्पताल के उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने दावा किया था कि हाथी के सिर वाले हिंदू देवता गणेश प्राचीन भारत के प्लास्टिक सर्जरी के ज्ञान का प्रमाण थे। यह उनके बैंड वैगन को झूठी कहानियों का महिमामंडन करने का संकेत था। यह सब लगातार प्रयास लोगों को तर्कसंगत सोच से दूर रखने के लिए है। लेकिन इस तरह के मिथकों और झूठ को हमेशा समय–समय पर चुनौती दी जाती रही है। प्राचीन भारत में एक ऋषि चार्वाक ने ब्रह्मांड और सामाजिक संबंधों के निर्माण की प्रचलित अवधारणा को चुनौती दी थी। उन्हें उनके विचारों के लिए जलाकर मार दिया गया था। गैलीलियो ने पृथ्वी के चारों ओर सूर्य के घूमने के मिथक को चुनौती दी, भले ही उन्हें इसके लिए सताया गया था। सूफी संतों ने भी मिथकों के खिलाफ बात की। गुरु नानक देव ने उस समय मिथकों को चुनौती दी जब ऐसा करना बहुत मुश्किल था। अब जब हमारे पास आसपास हो रही घटनाओं के पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण हैं, तो यह हमारा कर्तव्य है कि हम निडर होकर उन लोगों के नापाक इरादों को उजागर करें जो विज्ञान का पूरा लाभ तो लेना चाहते हैं, लेकिन समाज में तर्कहीन और रूढ़िवादी विचारों को बढ़ावा भी देना चाहते हैं।

बॉबी देओल ने आश्रम के सेट से शेयर किया नॉट-सो-बदनाम मोमेंट्स

> बॉबी देओल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सेट से जुड़ी कुछ तस्वीरें शेयर की, जिसमें फिल्म निर्माता प्रकाश झा भी नजर आ रहे हैं। पहली तस्वीर में बॉबी बाबा निराला की पोशाक पहने सेट पर मौजूद एक लाल सोफे पर बैठे नजर आ रहे हैं।

पॉपुलर वेब सीरीज 'आश्रम' में बाबा निराला की भूमिका निभा रहे बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल ने तीसरे सीजन की शूटिंग से जुड़ी कुछ झलकियां शेयर कीं। उन्होंने इसे नॉट–सो–बदनाम मोमेंट्स बताया है। बॉबी देओल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सेट से जुड़ी कुछ तस्वीरें शेयर की, जिसमें फिल्म निर्माता प्रकाश झा भी नजर आ रहे हैं। पहली तस्वीर में बॉबी बाबा निराला की पोशाक पहने सेट पर मौजूद एक लाल सोफे पर बैठे नजर आ रहे हैं। वह आराम से सोफे पर अपनी बाहें फैलाए दिखाई दे रहे हैं। दूसरी तस्वीर में बॉबी और प्रकाश झा लोगों के एक ग्रुप से घिरे हुए दिखाई दे रहे हैं। इस तस्वीर में बॉबी ने रेड कलर के पारंपरिक स्टाइल के कपड़े पहने हुए हैं, जबकि प्रकाश झा उनके पीछे खड़े हैं और उन्होंने टोपी पहन रखी है और चेहरे पर मास्क भी लगाया हुआ है। वह बॉबी के कंधों पर हाथ रखे हुए नजर आ रहे हैं। तीसरी फोटो में बॉबी देओल सेट पर बैठे स्क्रिप्ट पढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि आखिरी तस्वीर में बॉबी कैमरे के पीछे प्रकाश झा से बातचीत करते हुए दिखाई दे रहे हैं। बॉबी ने कैप्शन में लिखा, एक बदनाम आश्रम के नॉट–सो–बदनाम मोमेंट्स। बॉबी ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए एमएक्स प्लेयर और अमेजन एमएक्स प्लेयर को भी टैग किया है। साथ ही उन्होंने एक बदनाम आश्रम, एक बदनाम आश्रम ऑन एमएक्स प्लेयर जैसे हैशटैग का भी इस्तेमाल किया है। दरअसल, "आश्रम" एक क्राइम ड्रामा वेब सीरीज है, जिसे एमएक्स प्लेयर ओरिजिनल के लिए प्रकाश झा ने निर्देशित किया है। इसमें अदिति पोहनकर, दर्शन कुमार, चंदन रॉय सान्याल, तुषार पांडे, अनुप्रिया गोयनका, अध्ययन सुमन, विक्रम कोचर, ईशा गुप्ता, त्रिधा चौधरी, राजीव सिद्धार्थ, सचिन श्रॉफ, अनुरीता झा, परिणीता सेठ, जहांगीर खान, कनुप्रिया गुप्ता, प्रीति सूद, नवदीप तोमर और अयान आदित्य भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह शो एक धर्मगुरु की कहानी है, जो धर्म और अंधविश्वास का फायदा उठाकर ऐसे समर्पित अनुयायी जुटाता है जो उसकी हर आज्ञा का पालन करने को तैयार रहते हैं। वह अपनी भ्रष्ट जीवनशैली और आपराधिक गतिविधियों को अपने आध्यात्मिक प्रभाव के पर्दे के पीछे छिपाता है। फिल्मों की बात करें तो बॉबी को आखिरी बार बॉबी कोली द्वारा निर्देशित एक्शन ड्रामा डाकू महाराज में देखा गया था। फिल्म में नंदमुरी बालकृष्ण के साथ बॉबी, प्रज्ञा जयसवाल, श्रद्धा श्रीनाथ, सचिन खेडेकर, मकरंद देशपांडे, उर्वशी रौतेला, आडुकलम नरेन, नितिन मेहता, रवि किशन, वीटीवी गणेश, ऋषि और चंदिनी चौधरी हैं।

रश्मिका मंदाना को आखिरी मिनट में तैयार होने की हड़बड़ी, उन्हें कश्वलेज के दिनों की दिलाती है याद

रश्मिका मंदाना को अपने कॉलेज के दिनों की याद आ गई, जब आखिरी समय की हड़बड़ी के कारण उन्हें खुद ही अपने बाल और मेकअप करने पड़े। एनिमल अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, कभी–कभी, बस कभी–कभी चीजें आखिरी मिनट में होती हैं और मुझे खुद ही हेयर मेकअप स्टाइल करना पड़ता है और अपने सबसे अच्छे दोस्त से मेरी तस्वीरें लेने के लिए कहना पड़ता है। इसका अंत इस तरह होता है। मुझे यह पसंद है। यह मुझे पूरी तरह से कॉलेज के दिनों में वापस ले जा रहा है। रश्मिका मंदाना ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीर शेयर की। साड़ी में अभिनेत्री बेहद खूबसूरत लग रही थी। रश्मिका मंदाना सलमान खान की अगली फिल्म सिकंदर में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म निर्माताओं ने पहला गाना जोहरा जबीन रिलीज किया। सलमान खान और रश्मिका मंदाना को फराह खान की कोरियोग्राफी पर डांस नंबर पर परफॉर्म करते हुए देखा गया। ट्रैक की बीट्स प्रीतम ने तैयार की है। इस गाने को नक्श अजीज और देव नेगी ने अपनी मधुर आवाज में गाया है, जबकि इसके बोल समीर और दानिश सबरी ने लिखे हैं।सकंदर 2023 की फिल्म टाइगर 3 के बाद सलमान खान की बड़े पर्दे पर वापसी है। इस फिल्म का निर्देशन ए.आर. मुरुगादॉस ने किया है, जो गजनी के लिए प्रसिद्ध हैं। सिकंदर में सलमान खान और रश्मिका मंदाना के साथ, काजल अग्रवाल, सत्यराज, शरमन जोशी और प्रतीक बब्बर भी हैं। सिकंदर फिल्म के साथ सलमान खान और निर्माता साजिद नाडियाडवाला 2014 की ब्लॉकबस्टर किक के बाद एक बार फिर साथ आए हैं। सिकंदर ईद के दिन 31 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रश्मिका मंदाना के पास शेखर कम्मुला की कुबेर भी है, जिसमें उनके सह–कलाकार धनुष हैं। इसके अलावा, उन्हें आयुष्मान खुराना के साथ आदित्य सरपोतदार की फिल्म थामा में भी लिया गया है।

मैंने करवट बदल कर देखा है, याद मुझे तुम तब भी आते हो..पति ओम पुरी को याद भावुक हुई सीमा, बुक लॉन्च में शामिल हुए कई सितारे

ओमपुरी की पूर्व पत्नी और अन्नू कपूर की बहन, बॉलीवुड की प्रसिद्ध लेखिका निर्देशक सीमा कपूर की आत्मकथा ष्यूँ गुजरी है अब तलकष् का सितारों से सजी शाम में विमोचन हुआ। उनकी किताब के लॉन्च पर अनुपम खेर, परेश रावल, निर्माता बोनी कपूर, डॉ. अन्नू कपूर, दिव्या दत्ता, रघुवीर यादव, सहित कई हस्तियां शामिल हुईं। इस दौरान जब सीमा कपूर ने ओम पुरी को याद करते हुए कहा, "मैंने करवट बदल कर देखा है, याद मुझे तुम तब भी आते हो।" तो माहौल भावुक हो गया और उनकी आंखें भर आई।सीमा कपूर ने कहा कि मैं सभी उपस्थित मेहमानों का बहुत शुक्रिया अदा करती हूं जो अपना कीमती समय निकालकर यहां आए। अनुपम खेर, परेश रावल, बोनी कपूर, रघुवीर यादव, दिव्या दत्ता, रूमी जाफरी सहित सभी अतिथियों ने बहुत बड़ी बातें मेरे बारे में बोल दीं, सबका शुक्रिया। मुझे जो कुछ जिंदगी में नहीं मिला, उसे भूल गई। मेरे नाना क्रांतिकारी थे, मेरा ननिहाल बंगाली कलाकारों से भरा था। मेरे दादाजी आर्मी में कर्नल थे। लेकिन पिताजी ने दिल्ली आकर 2 ढाई सौ कलाकारों के साथ नाटक कंपनी खोल ली। फिर सिनेमा ने हमारे मुंह से रोटी छीन ली। फिल्म ने थिएटर को बहुत पीछे कर दिया। धीरे धीरे नाटक कंपनियां बंद होने लगीं, मगर पिता जी कर्ज लेकर भी सैकड़ों कलाकारों की जरूरतें पूरी करते रहे। मां के गहने, साड़ियां बिक गई। उस जमाने में नाटक या नौटंकी को बहुत खराब नजर से देखा जाता था। जब मैं स्कूल जाती थी तो काफी संघर्ष करना पड़ा। आधी रोटी अचार टिफिन में ले जाती थी। परिवार का नाटक में काम करने की वजह से मुझे सामाजिक उपेक्षा का सामना भी करना पड़ा। अन्नू कपूर ने कहा कि बहन सीमा कपूर की आत्मकथा के विमोचन पर आए सभी मेहमानों का आभार। सीमा बहुत सारी वेदनाओं, यातनाओं, त्रासदियों से गुजरी है, वह किसी वीरांगना से कम नहीं है। हमारी एक ही बहन है, खूब हंसती है, खिलखिलाती है। वह सबकी सहायता करने को चिंतित रहती है। यह जीवन संघर्ष है, सबको अपनी लड़ाई लड़नी होती है। इस जंग को सभी को लड़ना है। दुखों की कहानी है यह आत्मकथा। मेरी बहन ने माता पिता को काफी इज्जत दी है, उनका सम्मान किया है, आदर किया है, किताब सभी के लिए प्रेरणादायक है। बोनी कपूर सीमा कपूर के बारे में बोलते हुए काफी इमोशनल हो गए। उन्होंने कहा कि सीमा कपूर ने जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर को हिंदी उर्दू का सही उच्चारण सिखाया है। उनकी आत्मकथा के लॉन्च पर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं। रघुवीर यादव भी अपनी बहन सीमा कपूर के साथ गुजारे लम्हों को याद करते हुए काफी इमोशनल हो गए। वह सीमा कपूर को गुड्डो कहते थे। उन्होंने कई रोचक बातें बताकर सबको खूब हंसाया भी। परेश रावल ने कहा कि सीमा कपूर की आत्मकथा मैं जरूर पढ़ूंगा। जीवनी लिखना आसान काम नहीं होता बहुत चुनौती भरा होता है। उनके कलम में कमाल है और मेरी ख्वाहिश है कि सीमा कपूर द्वारा लिखित किसी कृति का मैं हिस्सा रहूं।

बहन रीना संग दुआ लीपा की डिनर डेट, निटेड ड्रेस में कमाल की दिखी सिंगर

सिंगर दुआ लीपा का फैशन सेंस हमेशा कमाल का होता है। वह कभी भी स्टाइल के मामले में गलती नहीं करतीं। बुधवार रात, 29 वर्षीय सिंगर को लंदन के शानदार डंलपित रेस्तरां जैम ज़ूमदजल ज़ूव में डिनर के लिए जाते हुए देखा गया। दुआ ने एक खूबसूरत पैटर्न वाली निटेड ड्रेस पहनी जिसमें उन्होंने अपनी टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट की। इस लुक को उन्होंने शीर टाइट्स और फर बूट्स के साथ स्टाइल किया। दुआ लीपा ने अपने लुक को एक ब्लैक क्विल्टेड बैंदमस हैंडबैग, बड़े गोल्ड हूप इयररिंग्स और ग्लोइंग मेकअप के साथ एक्सेसराइज किया। उनके साथ उनकी 23 वर्षीय बहन रीना भी नजर आईं, जो एक डांसर और इंस्टाग्राम पर्सनालिटी हैं। रीना ने ब्लैक ड्रेस और लेस टाइट्स में गॉर्जियस लुक कैरी किया। उन्होंने अपने स्टाइल में चार चांद लगाने के लिए प्लेटफॉर्म हील्स पहनी और एक स्मार्ट ब्लैक ब्लेजर के साथ अपने लुक को कम्प्लीट किया। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं।

दूरियां बढ़ती जा रही है कब मिलेगा छुटकारा... 89 के धर्मेंद्र की जिंदगी में नहीं चल रहा सब ठीक, इस पोस्ट से दिया हिंट

धर्मेंद्र हिंदी सिनेमा में अपने असाधारण योगदान के लिए जाने जाते हैं। उनकी सुपरहिट फिल्मों ने उन्हें बॉलीवुड में एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाया और उनके उल्लेखनीय काम आज भी उनके प्रशंसकों के दिलों में बसे हुए हैं, जो हमेशा उनकी और उनके बेटों सनी देओल और बॉबी देओल की प्रशंसा करते हैं। हाल ही में, रिश्तों में दूरियों पर धर्मेंद्र की एक पोस्ट ने उनके फैंस को बेहद चिंता में डाल दिया है। 5 मार्च 2025 को धर्मेंद्र ने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी एक फोटो खींची और शेयर की। फोटो में उन्होंने ब्राउन टोन वाली स्वेटशर्ट और पैंट पहनी हुई थी और मखमली दुपट्टा ओढ़ा हुआ था। वह अपने विचारों में खोए हुए चिंतित लग रहे थे, इस दौरान उनकी दाढ़ी काफी बढ़ी हुई दिखाई दे रही है। हालांकि, यह उनका रहस्यमयी नोट था जो रिश्तों में दिल की दूरी के बारे में बात करता है। उन्होंने इस फोटो के साथ लिखा–दूरियां दिलों में बढ़ती ही जा रही हैं...कब मिले गा छुटकारा...इन गलत फहमियों से। देखते ही देखते यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, अब लोग जानना चाहते हैं कि उनके जीवन में सब ठीक भी चल रहा है या नहीं। एक यूजर ने लिखा, जीवन की विडंबना सर, अच्छे दिलवालों को अक्सर गलत समझा जाता है...। एक अन्य ने कमेंट किया–ओह पाजी कित्थे खोए हुए हो तुसी आप के चेहरे पर सिर्फ मुस्कान अच्छी लगती है वह चल मुस्कुरादो अब। किसी ने लिखा, आपको दुखी नहीं देख सकता सर जी, उम्मीद है कि सब कुछ ठीक हो जाएगा और हम आपको मुस्कुराते हुए देखेंगे। ढेर सारा प्यार और सम्मान। एक्टर की इस पोस्ट पर बेटे बॉबी देओल ने भी रिएक्ट किया है। उन्होंने पापा को ढेर सारे रेड हार्ट इमोजी देकर प्यार दिया है धर्मेंद्र एक संवेदनशील व्यक्ति हैं जो अपने परिवार की भावनाओं का बहुत ख्याल रखते हैं। 2023 में, उन्होंने अपने पोते की शादी के बाद अपनी बेटी ईशा देओल और अपनी पत्नी हेमा मालिनी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी थी। ऐसा लग रहा था कि हेमा मालिनी और उनकी बेटियां ईशा देओल और अहाना देओल उसी दौरान धर्मेंद्र की कुछ हरकतों से बहुत आहत हुई थीं।

क्या मुंह के छाले बन सकते हैं कैंसर का कारण?

मुंह के छाले एक आम समस्या हैं, जिन्हें आमतौर पर तनाव, पोषण की कमी या गले में इन्फेक्शन जैसे कारणों से जाना जाता है। हालांकि, क्या ये छाले कैंसर का कारण बन सकते हैं? यह सवाल कई लोगों के मन में आता है। हालांकि, मुंह के छाले आमतौर पर कैंसर का कारण नहीं होते, लेकिन अगर ये लंबे समय तक ठीक न हों और बढ़ते जाएं, तो ये मुंह के कैंसर के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। आइए, जानते हैं इसके बारे में और अधिक।

मुंह के छालेः सामान्य या खतरनाक?

मुंह में होने वाले छाले तनाव, पोषण की कमी, गले में इंफेक्शन, या अन्य कारणों से हो सकते हैं। ये आमतौर पर कुछ हफ्तों में खुद ही ठीक हो जाते हैं। लेकिन अगर यह 3 हफ्तों से ज्यादा समय तक ठीक न हो और दर्द बढ़ जाए, तो डॉक्टर से संपर्क करना बेहद जरूरी है।

कब दिखाना चाहिए डॉक्टर को?

यदि आपके मुंह के छाले 3 हफ्तों में ठीक नहीं होते, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। इसके अलावा, अगर छालों में से खून बहने लगे, या छाले के आस–पास लाल या सफेद धब्बे नजर आए, तो यह ओरल कैंसर का संकेत हो सकता है। साथ ही, यदि गर्दन में गांठ महसूस हो, तो यह भी एक गंभीर स्थिति हो सकती है, जिसे डॉक्टर से जांच करवानी चाहिए।

मुंह के छाले और मुंह के कैंसर में अंतर

मुंह के छाले दर्दनाक घाव होते हैं जो आमतौर पर जीभ, गालों, मसूड़ों या होंठों के अंदर होते हैं। ये लाल रंग के होते हैं और इनके बीच सफेद, पीला या भूरा रंग दिख सकता है। वहीं, मुंह का कैंसर इससे अलग होता है और यह मुंह के अंदर की कोशिकाओं में होता है, जैसे होंठ, जीभ, गाल या गले में।

मुंह के छाले के कारणः मुंह में छाले होने के कई कारण हो सकते हैं, जैसे वायरल इंफेक्शन, बैक्टीरिया, हार्मोनल बदलाव, पीरियड्स की समस्या, या मुंह का ठीक से साफ ना करना। इन कारणों से बचने की कोशिश करें।

ओरल कैंसर के लक्षण

ओरल कैंसर के प्रमुख कारण हैं तंबाकू और शराब का सेवन, ज्यादा धूप में रहना, और मुंह की सही सफाई न करना। यदि किसी व्यक्ति को बार–बार मुंह में छाले होते हैं जो ठीक नहीं होते, तो ओरल कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। इसके लक्षणों में मुंह में लाल या सफेद धब्बे, बोलने या निगलने में परेशानी, आवाज का बैठना, और मुंह से खून आना शामिल हो सकते हैं। मुंह के छाले आमतौर पर खतरनाक नहीं होते, लेकिन यदि यह समय से ठीक न हो, तो इसे नजरअंदाज न करें और डॉक्टर से सलाह लें। ओरल कैंसर के लक्षणों से सावधान रहें और समय रहते इलाज कराएं।

डिस्क्लेमरः यह जानकारी सिर्फ मान्यताओं और जानकारियों पर आधारित है। किसी भी जानकारी को लागू करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से सलाह लें।

लंजेस एक्सरसाइज करते समय न करें ये मिस्टेक्स, वरना बढ़ सकता है घुटनों का दर्द

वर्तमान समय में हम सभी खुद को फिट और हेल्दी रखना चाहते हैं। वहीं फिट रहने के लिए वर्कआउट रूटीन में कई एक्सरसाइज शामिल करते हैं। जब पैरों की एक्साइज की बात की जाए, तो लंजेस करना काफी अच्छा माना जाता है। हालांकि अगर आपको अक्सर घुटनों में दर्द की शिकायत रहती है, तो लंजेस करने से दर्द अधिक बढ़ सकता है। वहीं घुटने का दर्द काफी परेशान करने वाला हो सकता है। इसके साथ ही जब लंजेस एक्सरसाइज गलत तरीके से किया जाता है, तो दर्द काफी बढ़ने लगता है। पैरों और ग्लूट्स को मज़बूत बनाने के लिए लंजेस एक बेहतरीन एक्सरसाइज है। वहीं जब आप यह एक्सरसाइज गलत तरीके से करते हैं, तो आपके घुटने पर एक्स्ट्रा दबाव पड़ता है। जिसकी वजह से दर्द की समस्या बढ़ सकती है। फिर चाहे घुटने को एक सीध में रखना हो या फिर शरीर के हिसाब से मूवमेंट बदलना हो। यह छोटी–छोटी चीजें बहुत मायने रखती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको लंजेस एक्सरसाइज करते समय की जाने वाली कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके घुटने के दर्द को बढ़ा सकती हैं।

ज्यादा नीचे झुकना

बता दें कि लंजेस करते समय हम अधिक नीचे झुकते हैं, तो इससे आपके घुटनों पर भार बढ़ जाता है। इससे घुटने का दर्द काफी हद तक बढ़ जाता है। इसलिए हमेशा लंजेस करते समय सिर्फ उतना ही नीचे जाएं, जितना कि आप सहज महसूस करते हैं। वहीं दोनों घुटनों पर 90 डिग्री का कोण बनाने का लक्ष्य रखें।

आगे की ओर ज्यादा झुकना

अगर आपके घुटने में दर्द की समस्या रहती है, तो ऐसे में आपको लंजेस करते समय ज्यादा आगे झुकने की गलती नहीं करनी चाहिए। इससे आपका पोश्चर बिगड़ जाता है। वहीं आपके सामने वाले घुटने पर एक्स्ट्रा भार पड़ता है। ऐसे में दर्द की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए अपनी छाती को सीधा रखें और कंधों को अपने हिप्स पर टिकाएं। बैलेंस बनाए रखने में सहायता के लिए अपने कोर को एक्टिव करें।

रेप्स जल्दी–जल्दी करना

यह एक ऐसी गलती है, जिसको अक्सर लोग बैठकर करते हैं। जब आप वर्कआउट करते हैं, तो उस दौरान लंजेस समेत अन्य एक्सरसाइज जल्दी–जल्दी करना चाहते हैं। लेकिन जब आप जल्दबाजी में रेप्स करते हैं, तो इससे आपका बॉडी फॉर्म खराब हो सकता है। वहीं इससे घुटनों पर अधिक भार पड़ता है। इसलिए किसी भी एक्सरसाइज को आराम से करें। वहीं अपने मूवमेंट पर फोकस करें। वहीं फिर आप नीचे जाएं या ऊपर, लेकिन आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आप सही मसल्स पर काम कर रहे हैं।

मौसम बदलते ही पेट में हो रही है परेशानी ? इन आसान उपायों से पाचन को बनाएं एकदम फिट

बदलते मौसम के कारण कई लोग पेट की समस्याओं का सामना करते हैं। यदि आप भी मौसम बदलने पर पेट खराब होने की समस्या से जूझ रहे हैं, तो इसका कारण आपके पाचन तंत्र में बदलाव हो सकता है। इस समस्या से राहत पाने के लिए आपको अपने खानपान में कुछ खास बदलाव करने होंगे। अगर आपको पाचन अच्छा करना है, तो आपको अपने आहार में पोषण से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करना होगा। सिर्फ आहार में सुधार ही नहीं, बल्कि सही समय पर सही आहार लेने से भी पाचन तंत्र को मजबूत किया जा सकता है। आइए जानते हैं कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों के बारे में जो आपके पाचन को बेहतर बना सकते हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर फूड आइटम

शुगर और व्यसल खानें से बचें

बदलते मौसम में शुगर और तैलीय भोजन पाचन को और भी अधिक खराब कर सकते हैं। इनसे पेट में जलन, गैस, और अपच जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। तले–भुने खाद्य पदार्थों से बचें और हल्का भोजन करें।

हल्दी का सेवन

हल्दी में एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो पेट के विकारों को दूर करते हैं। यह पाचन तंत्र को साफ और मजबूत करता है। हल्दी का एक चम्मच शहद के साथ लेने से पेट के संक्रमण और सूजन में राहत मिलती है। आप इसे दूध में डालकर भी पी सकते हैं।

ताजे फल और सब्जियां

ताजे फल और सब्जियां पाचन के लिए बहुत फायदेमंद हैं। इनमें विटामिन, मिनरल्स और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखते हैं। इनमें से खासतौर पर सेब, गाजर, और पालक को अपनी डाइट में शामिल करें। ये न केवल पेट को साफ करते हैं, बल्कि शरीर को भी पोषण प्रदान करते हैं।

केले

केले में पेक्टिन नामक फाइबर होता है, जो कार्बोहाइड्रेट के पाचन को नियंत्रित करता है। यह आंत के लिए भी लाभकारी होता है, क्योंकि इसमें प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो आंत में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं। यह आंत के स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है।

ओट्स

ओट्स में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है और इसमें कैलोरी कम होती है। ओट्स पाचन तंत्र को सही तरीके से काम करने में मदद करते हैं और अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने में सहायक होते हैं। ओट्स में फास्फोरस, विटामिन ई और जिंक भी पाए जाते हैं, जो शरीर के लिए महत्वपूर्ण पोषक तत्व हैं।

दही

दही का सेवन पेट की खराबी में राहत देने वाला घरेलू उपाय है। यह प्रोबायोटिक्स का एक समृद्ध स्रोत है, जो आंत में स्वस्थ बैक्टीरिया के संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है। इससे पाचन आसान होता है और पेट की समस्याएं कम होती हैं।

अदरक

अदरक का उपयोग पेट की समस्याओं जैसे सूजन, मतली और दस्त में किया जा सकता है। यह भोजन को पेट से आंतों तक जल्दी पहुंचाने में मदद करता है और पाचन प्रक्रिया को बेहतर बनाता है।

पुदीना

पुदीना अपच के लक्षणों को कम करने में मदद करता है। इसे आप सलाद और फलों में स्वाद बढ़ाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। पुदीना पाचन को ठीक करने में सहायक है और पेट में आराम पहुंचाता है।

हर्बल चाय का सेवन

हर्बल चाय, जैसे पुदीना, अदरक, और कैमोमाइल चाय, पाचन को बेहतर बनाने में मदद करती हैं। ये चाय शरीर को आराम देती हैं और पेट में सूजन, गैस, या दर्द को कम करती हैं। आप इन्हें दिन में एक से दो बार ले सकते हैं। स्वस्थ आहार और लाइफस्टाइलरू खाने का समय और तरीका भी पाचन पर असर डालते हैं। सही समय पर भोजन और हल्का भोजन पाचन को बेहतर बनाता है।

व्यायाम और योगः हर रोज व्यायाम करने से पाचन तंत्र मजबूत होता है और पेट संबंधी समस्याएं कम होती हैं। योग भी पेट के लिए फायदेमंद होता है।

मार्च में बना रहे हैं घूमने का प्लान तो एक्सप्लोर करें तीर्थन वैली, बिता सकेंगे सुकून के कुछ पल

हर किसी को घूमने–फिरने का शौक होता है। वहीं कई लोग ऐसी जगहों की तलाश करते हैं, जो शांति और सुकून वाली है। ऐसे में आप हिमाचल प्रदेश की तीर्थन वैली में घूमने का प्लान बना सकते हैं। यहां पर आप एक बार छुट्टियों पर जा सकते हैं। तीर्थन वैली में हरे भरे जंगल, शानदार पहाड़ों के दृश्य, दूध सी बहने वाली सफेद नदियां, लहरदार घास के मैदान और खूबसूरत गांव आपको अपना दीवाना बना लेंगे। इस जगह की सबसे अच्छी बात यह है कि यहां पर आपको अधिक भीड़ नहीं मिलेगी। तो वहीं अगर आप यहां पर ऑफ सीजन में आते हैं, तो हर एक चीज बेहद सस्ते दामों पर मिलेगी। खासकर रहने के लिए होटल और होमस्टे आदि। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको तीर्थन वैली के बारे में बताने जा रहे हैं और साथ ही यह भी जानेंगे कि आप यहां क्या–क्या एक्सप्लोर कर सकते हैं।

तीर्थन वैली

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में स्थित तीर्थन वैली एक बेहद खूबसूरत जगह है। यह बेहद खूबसूरत वैली हिमालय पर्वतों और घने जंगलों के लिए जानी जाती है। यहां के लोगों की जिंदगी शांत और धीमी है। जिसमें बेहद सुकून है। अगर आप भी किसी सुकून और शांत जगह की तलाश में है, तो यह जगह बेस्ट है। कम खर्च में आप यहां पर ऑफ सीजन में घूमने के लिए आ सकते हैं।

स्टे

सर्दी और चिलचिलाती गर्मी के दौरान यहां पर पर्टयकों की संख्या में काफी वृद्धि हो जाती है। वहीं अगर आप ऑफसीजन में यहां आते हैं, तो आपको कम रेट में होटल और होम स्टे मिल जाएंगे। तीर्थन वैली में आपको बजट के हिसाब से रूम मिल जाएंगे। आप चाहें तो यहां के श्टपअंद जंलेश में भी बुकिंग कर सकते हैं। बता दें कि तीर्थन वैली में आपको एक दिन के ब्रेकफास्ट के 3,000 रुपए खर्च करने पड़ सकते हैं। क्योंकि यह होटल नदी किनारे स्थित है। वहीं बालकनी से नदी और पहाड़ों का व्यू देखने को मिलता है। इसके साथ ही आप यहां पर बोनफायर का भी मजा ले सकते हैं।

जीभी वॉटरफॉल

जीभी वॉटरफॉल जरूर एक्सप्लोर करें। क्योंकि यह वॉटरफॉल जितना ज्यादा मनमोहक है, उससे ही ज्यादा खूबसूरत यहां तक पहुंचने का रास्ता है। आप ट्रैकिंग के जरिए भी जीभी वॉटरफॉल तक पहुंच सकते हैं। इस पूरे ट्रैक के दौरान आपको नदियां, सुंदर पहाड़ और गांव के खूबसूरज नजारे देखने को मिलेंगे।

खाने का उठाएं लुत्फ

यदि आप भी तीर्थन वैली आ रहे हैं, तो यहां के स्वादिष्ट खाने का लुत्फ जरूर उठाएं। कम मसालों के साथ पकाया गया भोजन आपको काफी स्वादिष्ट लगेगा। यहां पर खाना पकाने के लिए नदी के पानी का इस्तेमाल किया जाता है, जो खाने के स्वाद को अधिक बढ़ा देता है। वहीं अगर आप फिशिंग के शौकीन हैं, तो होम स्टे में जाकर फिश पका सकते हैं। लेकिन फिशिंग करने से पहले आप वन विभाग की अनुमति लेना न भूलें।

कैसे पहुंचे यहां

यहां पर पहुंचने का सबसे अच्छा ऑप्शन दिल्ली/चंडीगढ़ से कुल्लू या मनाली के लिए बस पकड़ लें और औट में उतरें। आप या तो औट से तीर्थन वैली के लिए टैक्सी किराए पर ले लें। या फिर औट से बंजार के लिए स्थानीय बस में सफर कर सकते हैं। फिर बंजार से गुशैनी के लिए दूसरी बस ले सकते हैं। जिसके बाद आप तीर्थन वैली जा सकते हैं। यहां तक पहुंचने के लिए आपको डायरेक्ट ट्रेन नहीं मिलेगी। वहीं अगर आप फ्लाइट से आ रहे हैं, तो यहां का नजदीकी एयरपोर्ट भुंतर एटरपोर्ट है।

विमेंस डे को शानदार बनाने के लिए घूम आएं उत्तर प्रदेश की इन जगहों पर, ट्रिप रहेगी मजेदार

मां के रुप में, बहन से मिलता प्यार... नारी के बिना घर अधूरा है। जीं हां, इंसान के जीवन में एक नारी का क्या महत्व होता है, उसको शब्दों में नहीं बता सकते। नारी के सम्मान के लिए विश्वभर में 8 मार्च को विमेंस डे मनाया जाता है। विमेंस डे के खास दिन पर महिलाएं खुलकर आजादी सेलिब्रेट करना चाहती है। ऐसे में आप भी खासतौर पर इस दिन कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं। इस आर्टिकल में हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप उत्तर प्रदेश की कुछ ऐसी शानदार और सुरक्षित जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां आप घूमने जरुर जाएं।

वाराणसी

महिला दिवस के खास मौके पर आप अपनी सहेलियों के साथ वाराणसी घूमने जा सकते हैं। वाराणसी सबसे बेस्ट आध्यात्मिक डेस्टिनेशन भी माना जाता है। यहां पर आप काशी विश्वनाथ मंदिर से लेकर अस्सी घाट, दशाश्वमेध घाट, मणिकर्णिका घाट और कई सारे मंदिर स्थलों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहां पर बोटिंग का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

आगरा

विमेंस डे के खास मौके पर आप आगरा का ताजमहल जरुर देखने जा सकते हैं। आगरा सबसे बेस्ट पर्यनटन स्थल के साथ–साथ एक सुरक्षित प्लेस भी मानी जाती है। आगरा में आप ताजमहल, आगरा फोर्ट, अंगूरी बाग, फतेहपुर सीकरी और जमा मस्जिद जैसे कई ऐतिहासिक जगहों पर घूमने जा सकते हैं।

वृंदावन

अगर आप विमेंस डे पर धार्मिक स्थल पर जाना चाहती हैं, तो आप भगवान श्री कृष्ण की नगरी वृंदावन उत्तर प्रदेश के धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं। यह महिलाओं के लिए सुरक्षित शहर भी है। यदि आप 8 मार्च को जा रहे हैं, तो यहां आपको होली का नजारा दिखाई देगा। यहां आप प्रेम मंदिर, बांके बिहारी, इस्कॉन मंदिर, राधा रमण मंदिर, श्री राधा दामोदर मंदिर और गोपेश्वर महादेव मंदिर के दर्शन कर सकते हैं।

संक्षिप्त

शेयर बाजार लाल निशान में खुलाः सेंसेक्स करीब 200 अंक गिरा, निफ्टी 30 से ज्यादा गिरा

शेयर बाजार कारोबारी सप्ताह के अंतिम दिन यानी शुक्रवार सात मार्च को लाल निशान पर खुला है। इस दौरान शेयर बाजार में बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और आईटी शेयरों में सबसे अधिक गिरावट आई है। सुबह 9रू15 बजे बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स 176.47 अंक या 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,163.62 पर पहुंच गया। व्यापक एनएसई निफ्टी 36.05 अंक या 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,508.65 पर खुला। यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र में घोषणा किए जाने के बाद आया है कि वे 2 अप्रैल से भारत जैसे देशों पर पारस्परिक टैरिफ लगाएंगे। गुरुवार को सेंसेक्स के 30 शेयरों में से, इंफोसिस सबसे ज्यादा 1.45 प्रतिशत की गिरावट के साथ घ1,688.40 पर कारोबार कर रहा था। इसके बाद टेक महिंद्रा का स्थान रहा, जो 1.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ घ1485 पर कारोबार कर रहा था, और ज़ोमैटो, जो 1.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ घ222.80 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी सेक्टोरल इंडेक्स में बैंक इंडेक्स में सबसे ज्यादा 0.34 फीसदी की गिरावट आई और यह 48,463.80 पर पहुंच गया। इसके बाद फाइनेंशियल सर्विसेज में 0.32 फीसदी की गिरावट आई और यह 23,089.35 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी आईटी में 0.31 फीसदी की गिरावट आई और यह 38,028.15 पर पहुंच गया। शेयर बाजार में अंत में तेजी आई और गुरुवार को पिछले कारोबारी सत्र के खत्म होने के बाद लगातार तीसरी बार हरे निशान में बंद हुआ। बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स 609.86 अंक या 0.83 फीसदी की गिरावट के साथ 74,340.09 पर बंद हुआ। व्यापक एनएसई निफ्टी 207.40 अंक या 0.93 फीसदी की गिरावट के साथ 22,544.70 पर पहुंच गया। बोनान्ज़ा के वरिष्ठ तकनीकी शोध विश्लेषक कुणाल कांबले ने मीडिया को बताया कि निफ्टी सूचकांक लगातार तीन दिनों तक सकारात्मक रूप से बंद हुआ, जिससे उच्चतर उच्च और उच्चतर निम्न पैटर्न बना, जो अल्पकालिक सकारात्मक गति का संकेत देता है। सूचकांक 22,505 पर विंडो से ऊपर बंद हुआ, जो तेजी की भावना का संकेत देता है। उन्होंने कहा, आगे की बढ़त 22,720 तक बढ़ सकती है, जहां अगला मजबूत प्रतिरोध है। हालांकि, अगर बाजार 22,440 से नीचे चला जाता है, तो यह 22,200 के स्तर की ओर नीचे की ओर बढ़ सकता है। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में एशियन पेंट्स में सबसे ज्यादा 4.70 फीसदी की तेजी आई और यह 2,267.10 रुपये पर बंद हुआ। इसके बाद एनटीपीसी का स्थान रहा जो 3.41 फीसदी की तेजी के साथ 337.75 रुपये पर बंद हुआ और रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 2.96 फीसदी की तेजी के साथ 1,210.55 रुपये पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से केवल 5 शेयर ही लाल निशान पर थे, ठीक वैसे ही जैसे पिछले बंद के बाद थे। निफ्टी सेक्टोरल इंडेक्स में सबसे ज्यादा 2.59 फीसदी की बढ़त के साथ निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स 10,045.85 पर पहुंच गया। इसके बाद निफ्टी मेटल 2.34 फीसदी की बढ़त के साथ 8,888.65 पर पहुंच गया और निफ्टी फार्मा इंडेक्स 1. 47 फीसदी की बढ़त के साथ 20,423.35 पर पहुंच गया। मेटल इंडेक्स भी वही इंडेक्स था जो पिछले बंद पर 4.04ः बढ़कर 8,685.20 पर पहुंच गया था। ऑयल एंड गैस इंडेक्स में उस समय उछाल आया जब वैश्विक तेल की कीमतें भी बढ़ी थीं। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड मई 2025 के अनुबंधों के लिए 0.36ः या +0. 25 बढ़कर +69.71 प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जबकि ज् क्रूड अप्रैल 2025 के अनुबंधों के लिए 0.32ः या +0.21 बढ़कर +66.57 प्रति बैरल पर पहुंच गया। निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स में, कैस्ट्रॉल इंडिया सबसे अधिक (10.15ः ऊपर) चढ़ा, उसके बाद महानगर गैस (4.19ः ऊपर) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (3.71ः ऊपर) का स्थान रहा।

कमजोर मांग के चलते सोना 89 हजार रुपये के नीचे आया, चांदी ने 500 रुपये की लगाई छलांग

नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार को सोने की कीमत 89,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से नीचे गिर गई। यह गिरावट घरेलू मांग में कमी के कारण आई है, जैसा कि ऑल इंडिया सराफा एसोसिएशन ने बताया। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 200 रुपये घटकर 88,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जो कि लगातार दूसरे दिन की गिरावट है। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत भी 200 रुपये घटकर 88,500 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।

चांदी में 500 रुपये की तेजी देखने को मिली

व्यापारियों का कहना है कि स्थानीय ज्वैलर्स और खुदरा खरीदारों की मांग कम होने के कारण सोने के भाव में गिरावट आई है। लांकि, चांदी की कीमत 500 रुपये बढ़कर 99,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, और यह लगातार चौथे दिन की वृद्धि है। पिछले चार सत्रों में चांदी की कीमत में 3,100 रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

वैश्विक स्तर पर स्थिर रही सोने की कीमत

एमसीएक्स पर अप्रैल महीने की डिलीवरी के लिए सोना 50 रुपये गिरकर 85,983 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। वैश्विक स्तर पर, सोने की कीमत स्थिर रही और यह 2,929.30 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड हो रही थी, जबकि स्पॉट गोल्ड 10.14 डॉलर (0.35 प्रतिशत) बढ़कर 2,921.94 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। वहीं, चांदी की कीमत एशियाई बाजार में 0.17 प्रतिशत गिरकर 33.28 डॉलर प्रति औंस पर रही।

फाइनल के लिए भारतीय टीम में होगा बदलाव ? गावस्कर ने रखी राय, रोहित के फॉर्म को लेकर गंभीर पर बिफरे

नई दिल्ली। भारत ने अब तक अपने चौंपियंस ट्रॉफी 2025 अभियान में अपने सभी मैच जीते हैं। टीम ग्रुप चरण में अजेय रहते हुए सेमीफाइनल में पहुंची और अंतिम चार के मुकाबले में विश्व चौंपियन ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त दी। भारत के महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा है कि लगातार जीत के बावजूद कई स्थान हैं जहां टीम अब भी सुधार कर सकती है। उन्होंने कहा कि भारत ने बीच के ओवरों में रन तो रोके हैं लेकिन ज्यादा विकेट लेने में कामयाब नहीं हो सकी है। साथ ही उन्होंने शुरुआती विकेट के लिए बड़ी साझेदारी नहीं होने की ओर भी इशारा किया। उन्होंने पहले 10 ओवरों में तेज गेंदबाजों से नई गेंद से अधिक विकेट की भी मांग की।

इन क्षेत्रों में भारत को करना होगा बेहतर

गावस्कर ने इंडिया टुडे से कहा, जब आप भारतीय सलामी बल्लेबाजों को देखो तो उन्होंने भारतीय टीम को वैसी शुरुआत नहीं दी जैसी उनसे उम्मीद की गई थी। मुझे लगता है कि इसमें एक कमी है। नई गेंद के साथ भी आप पहले 10 ओवरों में ज्यादा से ज्यादा विकेट लेना चाहेंगे। आप निश्चित रूप से दो या तीन विकेट लेना चाहते हैं। यह भी नहीं हो रहा है। बीच के ओवरों में हमें विकेट नहीं मिले, भले ही रन रुक रहे हों। इन क्षेत्रों में बेहतर होने पर फाइनल में जाने और जीतने की संभावना बेहतर होती है।

प्लेइंग–11 में कोई बदलाव नहीं होना चाहिए

गावस्कर का यह भी मानना है कि भारत को फाइनल में अपनी प्लेइंग इलेवन में कोई बदलाव नहीं करना चाहिए और चार स्पिनरों को खिलाने के फॉर्मूले पर टिके रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव दोनों के शामिल होने से भारत के आक्रमण को मजबूती मिली है और उन्हें विजयी संयोजन के साथ छेड़छाड़ नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि चार स्पिनर होंगे। कुलदीप के समावेश ने दिखाया है कि वे कितने प्रभावी हो सकते हैं।

रोहित लंबे समय तक बल्लेबाजी करें

गावस्कर ने रोहित को सलाह दी कि वे टीम को तेज शुरुआत प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय लंबे समय तक बल्लेबाजी करें। चौंपियंस ट्रॉफी 2025 सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर भारत की जीत के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर ने रोहित के दृष्टिकोण का बचाव

किया और कहा कि स्टार बल्लेबाज को उनके इम्पैक्ट पर आंका जाता है, न कि उनके नंबरों पर। गावस्कर हालांकि इस टिप्पणी से प्रभावित नहीं हुए और उन्होंने कहा कि अगर रोहित जैसा बल्लेबाज 25–30 ओवर तक क्रीज पर टिकता है तो वह खेल को विरोधियों से दूर ले जाएगा और इसे भी अपने गेमप्ले में शामिल किया जाना चाहिए।

रोहित को उतनी सफलता नहीं मिली

उन्होंने कहा, श्यह एक ऐसा दृष्टिकोण है जिसका वह पिछले दो साल से पालन कर रहे हैं। इसकी शुरुआत भारत में विश्व कप से हुई और वह इस फॉर्मूले पर कायम हैं। उन्हें कुछ सफलता मिली है, हालांकि शायद उतनी नहीं जितनी उम्मीद थी। वह अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं जिनके पास कई तरह के शॉट हैं जो खेल में कई अन्य लोगों के पास नहीं है।श गावस्कर ने कहा, श्रोहित 25 ओवर भी बल्लेबाजी करते हैं तो भारत 180–200 के आसपास होगा। कल्पना कीजिए कि अगर उन्होंने तब तक केवल कुछ विकेट गंवाए हों। जरा सोचिए कि वे क्या कर सकते हैं! वह भारत के स्कोर को 350 या उसके पार पहुंचा सकते हैं।श गावस्कर ने कहा कि रोहित को 25–30 रन बनाकर खुश नहीं होना चाहिए और उनकी टीम के लिए उनका प्रभाव कहीं अधिक होना चाहिए।

रोहित 25–30 ओवर तक बल्लेबाजी करें

उन्होंने कहा, श्उन्हें इस पर भी विचार करने की जरूरत है। मैदान पर उतरकर आक्रामक खेलना एक बात है, लेकिन खुद को 25–30 ओवर तक बल्लेबाजी का मौका देने के लिए कहीं न कहीं विवेक होना चाहिए। अगर वह ऐसा करते हैं तो वह खेल को विपक्षी टीम से दूर ले जाएंगे। इस तरह का प्रभाव मैच जिताने वाला होता है। मैं जानना चाहता हूं कि एक बल्लेबाज के रूप में, क्या आप 25–30 रन बनाकर खुश हैं? आपको नहीं होना चाहिए! इसलिए मैं उनसे यही कहूंगा, टीम पर आपका प्रभाव और भी अधिक होगा यदि आप सिर्फ सात, आठ या नौ ओवर के बजाय 25 ओवर तक बल्लेबाजी करें तो।

मैदान पर लड़ने और गुस्सा दिखाने की हरमनप्रीत को चुकानी पड़ेगी कीमत, आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप

लखनऊ, एजेंसी। मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत पर लखनऊ में यूपी वॉरियर्स के खिलाफ महिला प्रीमियर लीग मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असंतोष जताने के लिए मैच फीस का दस प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। मैदान पर गुस्सा दिखाने के लिए हरमनप्रीत कई बार विवादों में रह चुकी हैं। लखनऊ के खिलाफ मैच के दौरान भी उन्हें कई मौकों पर नाराजगी जताते देखा गया। वह यूपी वॉरियर्स की सोफी एक्लेस्टोन से भी भिड़ती दिखी थीं। हरमनप्रीत और अंपायर के बीच की घटना यूपी की पारी के 19वें ओवर की है, जब अंपायर अजितेष अर्गल ने हरमनप्रीत से कहा कि धीमी ओवरगति के कारण आखिरी ओवर में वह सिर्फ तीन फील्डर सर्कल के बाहर रख सकती हैं। इससे खफा हरमनप्रीत ने अंपायर से संक्षिप्त बहस की और उनकी साथ एमेलिया केर भी इसमें जुड़ गईं। डब्ल्यूपीएल ने एक बयान में कहा, श्हरमनप्रीत कौर ने धारा 2.8 के तहत लेवल एक का अपराध स्वीकार कर लिया है जो मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असंतोष जताने के संदर्भ में है। इसमें कहा गया, लेवल एक के अपराध में मैच रैफरी का फैसला अंतिम और सर्वमान्य होता है। हरमनप्रीत का सोफी एक्लेस्टोन विवाद हो गया था जब दूसरे छोर पर खड़ी इंग्लैंड की क्रिकेटर कुछ समझाने के लिये अंपायर की तरफ बढी । हरमनप्रीत ने उसे इस बातचीत से अलग रहने का इशारा किया । विवाद बढता देख स्क्वेयर लेग अंपायर एन जनानी और यूपी की कप्तान दीप्ति शर्मा भी आगे आये । मुंबई ने यूपी के नौ विकेट पर 150 रन के जवाब में 18.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया था। एमेलिया केर के शानदार पांच विकेट (5–38) और मैथ्यूज की ऑलराउंड (2–25 और 46 गेंदों पर 68 रन) प्रदर्शन की बदौलत मुंबई ने चार विकेट गंवाकर लक्ष्य प्राप्त कर लिया।

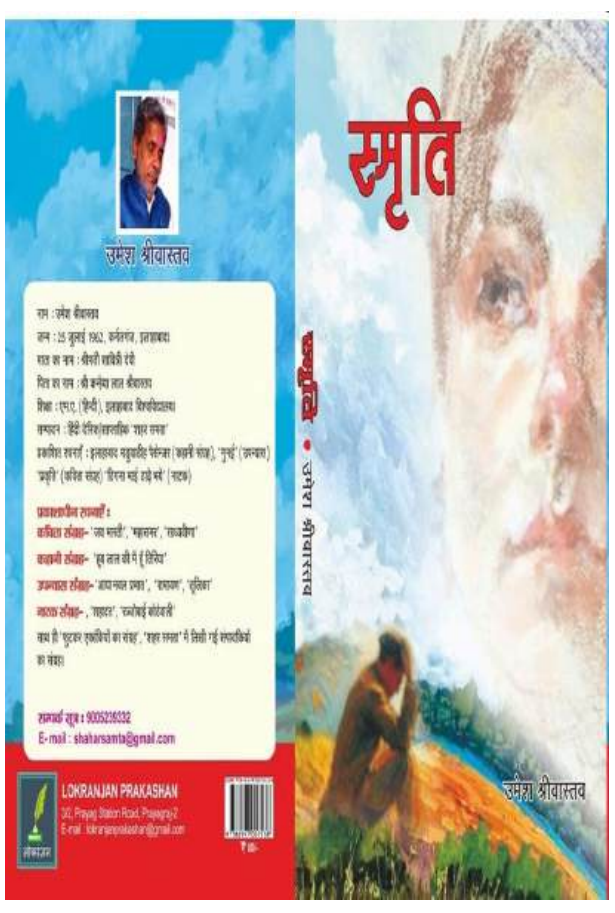

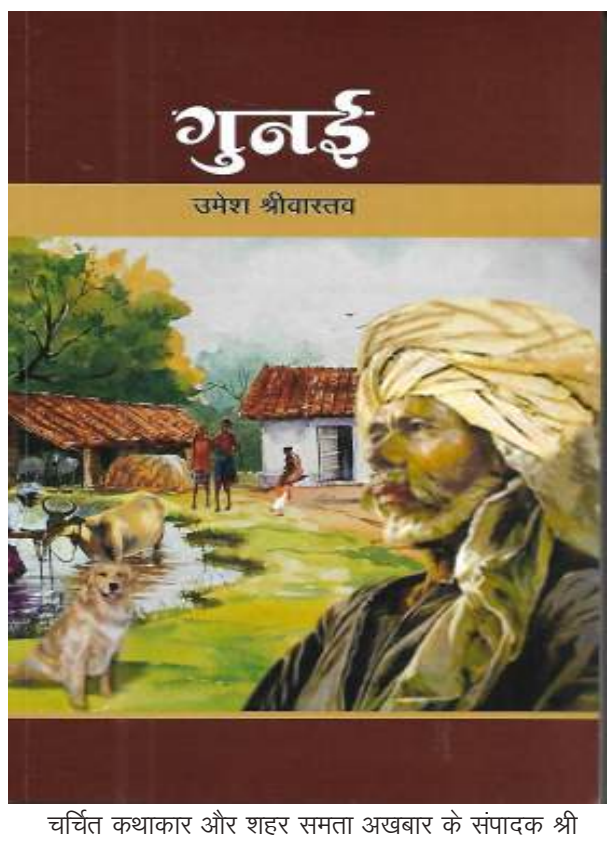

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

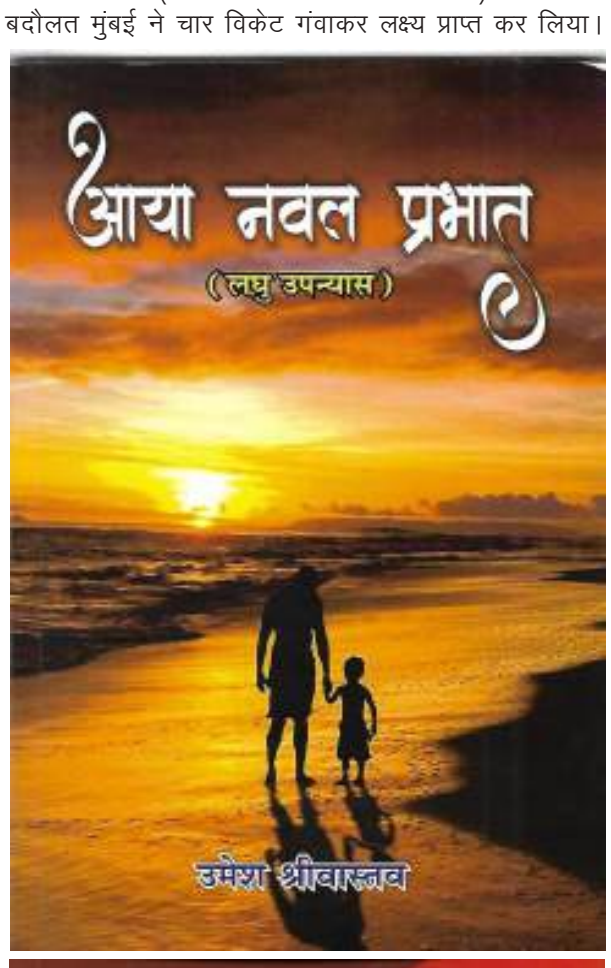

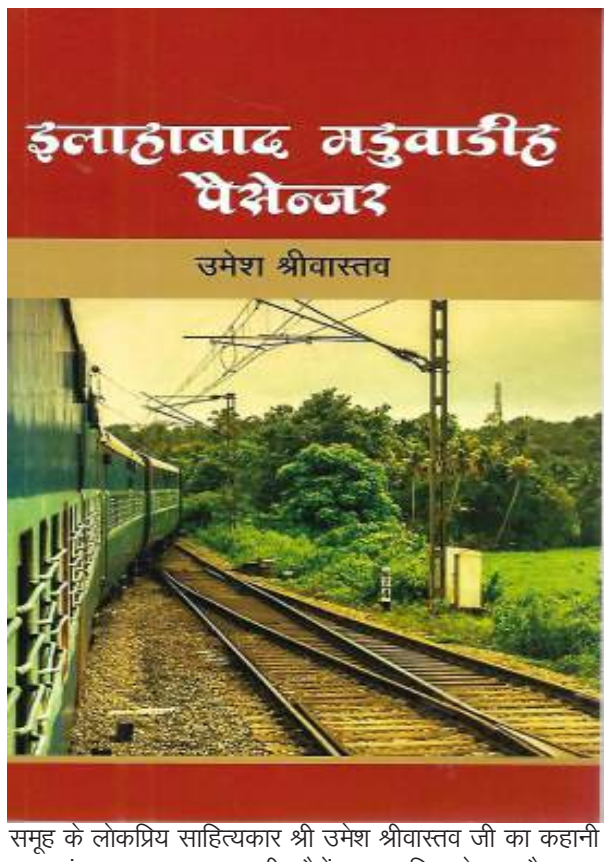

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

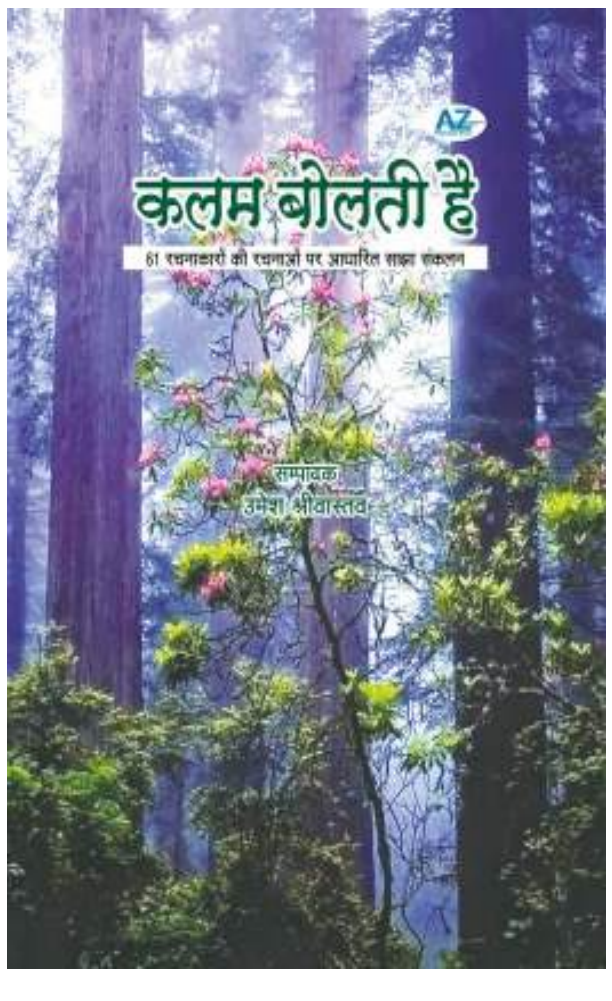

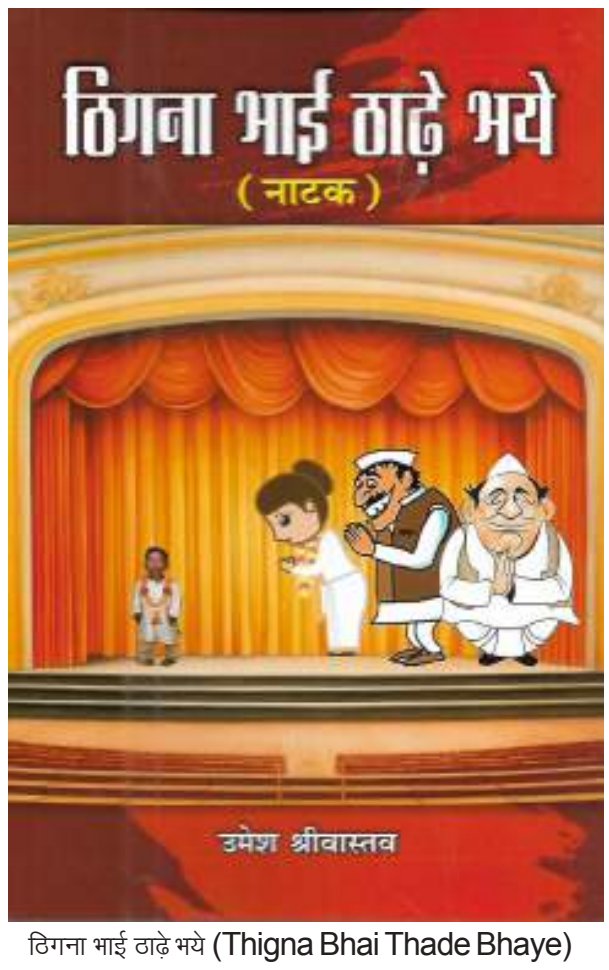

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

दक्षिण कोरिया की अदालत ने महाभियोग का सामना कर रहे राष्ट्रपति को जेल से रिहा करने का आदेश दिया

सियोल । दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने महाभियोग का सामना कर रहे राष्ट्रपति यून सुक येओल को जेल से रिहा करने का आदेश दिया है। समाचार एजेंसी 'योनहैप' ने बताया कि 'सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट' ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया। दक्षिण कोरिया की अन्य मीडिया इकाइयों ने भी ऐसी ही खबरें दीं। अदालत ने तुरंत इन खबरों की पुष्टि नहीं की। यून को तीन दिसंबर को 'मार्शल लॉ' लगाने के अपने आदेश के सिलसिले में, विद्रोह भड़काने के आरोप में जनवरी में गिरफ्तार किया गया था। जांच अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि यून का 'मार्शल लॉ' लगाने का आदेश विद्रोह के समान है। अगर वह इस अपराध के लिए दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें मृत्युदंड या आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। दिसंबर में सांसदों ने यून पर अलग से महाभियोग की प्रक्रिया शुरू की थी, जिसके बाद मामला संवैधानिक न्यायालय पर छोड़ दिया गया। यून के राष्ट्रपति पद को औपचारिक रूप से समाप्त किया जाए या उसे बहाल किया जाए, इसका फैसला संवैधानिक न्यायालय करेगा। अगर संवैधानिक न्यायालय यून के महाभियोग को बरकरार रखता है, तो उन्हें आधिकारिक रूप से पद से हटा दिया जाएगा और दो महीने के भीतर उनके उत्तराधिकारी को चुनने के लिए राष्ट्रीय चुनाव आयोजित किए जाएंगे।

ट्रंप की टैरिफ ने तोड़ा ट्रूडो का गुरूर... पत्रकारों के सामने हुए भावुक, बोले- मैंने कनाडाई लोगों को सबसे पहले रखा

कनाडा के निवर्तमान प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो गुरुवार को अपने कार्यकाल के अंतिम दिनों में कैमरों के सामने रो पड़े। इसका बड़ा कारण यह है कि इस सप्ताहांत लिबरल पार्टी के नेतृत्व की प्रतियोगिता के बाद वे अपने पद से हट जाएंगे। ट्रूडो, जिन्होंने लोकप्रियता रेटिंग में गिरावट के बीच जनवरी में प्रधानमंत्री और लिबरल पार्टी के नेता के रूप में अपने इस्तीफे की घोषणा की थी, रविवार (9 मार्च) को पार्टी द्वारा नया नेता चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री के रूप में पद छोड़ देंगे। अपने 10 साल के शासनकाल के दौरान चुनौतियों को याद करते हुए वे भावुक हो गए। ट्रूडो ने कहा कि व्यक्तिगत स्तर पर, मैंने इस कार्यालय में हर दिन यह सुनिश्चित किया है कि मैंने कनाडाई लोगों को सबसे पहले रखा है, कि मैं लोगों का साथ दूं। और इसीलिए मैं आपको यह बताने के लिए यहाँ हूँ कि हम आपके साथ हैं। इस सरकार के आखिरी दिनों में भी, हम आज और भविष्य में भी कनाडाई लोगों को निराश नहीं करेंगे। ट्रूडो ने ट्रम्प द्वारा कनाडाई वस्तुओं पर व्यापक टैरिफ को एक और महीने के लिए रोककर अचानक वापस लेने पर भी कटाक्ष किया, इसे ष्गुरुवारष् कहा। उनकी प्रतिक्रिया से दर्शकों में ठहाके गूंज उठे। उन्होंने कनाडाई लोगों को आने वाले कठिन समय के प्रति भी आगाह किया। ट्रूडो ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण, मध्य पूर्व संकट और डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति पद को ष्जटिल समयष् बताया और अपने प्रधानमंत्रित्व काल के दौरान चुनौतियों को याद किया। उन्होंने कहा, ष्मैंने डोनाल्ड ट्रम्प को दस साल तक देखा है,ष् उन्होंने कहा कि ष्कनाडाई लोगों की सेवा करना उनके जीवन का सम्मान रहा है। ट्रूडो ने कहा कि कनाडा दृढ़ रहेगा और ट्रम्प द्वारा टैरिफ पर पूरी तरह से पीछे हटने तक प्रतिशोधात्मक टैरिफ और अन्य उपायों को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा, ष्हमारा लक्ष्य सभी टैरिफ को हटाना है।

फ्लोरिडा में नौसेना के एयर स्टेशन पर गोलीबारी की खबर, कोई हताहत या हमलावर नहीं मिला : अधिकारी

फ्लोरिडा के डिप्टी (शीर्ष अधिकारी) पेन्साकोला में नौसेना के एयर स्टेशन (एनएएस) पर गोलीबारी की खबरों के बाद घटनास्थल पर पहुंच गये लेकिन तत्काल कोई हमलावर या हताहत नहीं मिला है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एस्कैम्बिया काउंटी शेरिफ कार्यालय को बृहस्पतिवार सुबह यह खबर मिली और सभी उपलब्ध प्रतिनिधि पेन्साकोला एनएएस के कॉरी स्टेशन उप–स्थापना पर पहुंच गए। एस्कैम्बिया काउंटी शेरिफ कार्यालय की प्रवक्ता मॉर्गन लुईस नेकहा, ''हम अब भी वहां हैं। वहां अब भी गहमा गहमी है, लेकिन इस समय कोई पुष्टि नहीं हुई है।

न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन को दिए यूएसएड और विदेश मंत्रालय को लगभग दो अरब डॉलर देने का आदेश

अमेरिका के एक संघीय न्यायाधीश ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी के साझेदारों और विदेश मंत्रालय को लगभग दो अरब डॉलर का भुगतान करने के लिए सोमवार तक का समय दिया। अमेरिकी जिला न्यायाधीश आमिर अली ने गैर–लाभकारी समूहों और व्यवसायों के पक्ष में फैसला सुनाया, जिन्होंने धन पर रोक के खिलाफ याचिका दाखिल की थी।वित्तपोषण पर रोक के ट्रंप प्रशासन के फैसले से दुनिया भर की संस्थाओं को सेवाओं में कटौती करने और हजारों श्रमिकों को नौकरी से निकालने पर मजबूर होना पड़ा है।अपने फैसले के साथ ही न्यायाधीश अली ने कई प्रश्न भी किए जिससे ट्रंप प्रशासन के इस तर्क पर संदेह का संकेत मिलता है कि राष्ट्रपतियों के पास विदेश नीति, जिसमें विदेशी सहायता भी शामिल है के मामले में खर्च पर कांग्रेस के निर्णयों को दरकिनार करने का व्यापक अधिकार है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

जेलेंस्की का तख्ता पलटना चाहते हैं ट्रंप, यूक्रेन के विपक्षी नेताओं से गुप्त वार्ताएं कर रही है अमेरिकी टीम

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदमीर जेलेंस्की ने पिछले सप्ताह व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ जो बहस की थी वह डोनाल्ड ट्रंप को इतना नागवार गुजर गयी है कि वह यूक्रेन में सत्ता बदलवाने की जुगत में लग गये हैं। बताया जा रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप की टीम यूक्रेन में विपक्षी नेताओं के साथ गुप्त वार्ता में लगी हुई है, जिससे राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की को हटाने के संभावित प्रयास के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं। ट्रंप प्रशासन का प्रयास है कि या तो यूक्रेन में मौजूद विपक्षी नेताओं में से ही कोई अपने देश की बागडोर संभालने पर सहमत हो जाये तो ठीक है वरना बाहर से किसी यूक्रेनी को लाकर कीव में बिठा दिया जायेगा। बताया जा रहा है कि लंदन में यूक्रेन के राजदूत को भी इस काम के लिए तैयार होने के लिए कहा जा रहा है। हम आपकों बता दें कि हाल ही में यूक्रेनी राष्ट्रपति के लंदन दौरे के दौरान वहां उनके राजदूत उनकी अगवानी के लिए नहीं पहुँचे थे। जहां तक ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों की यूक्रेन के विपक्षी नेताओं से हुई चर्चा की बात है तो आपको बता दें कि विपक्षी नेता यूलिया टिमोशेंको और पूर्व राष्ट्रपति पेट्रो पोरोशेंको

की पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों के साथ हुई चर्चा यूक्रेन में शीघ्र राष्ट्रपति चुनाव कराने की संभावना पर केंद्रित थी। अमेरिका की शह पर अब यूक्रेन में नई सरकार बनवाने की जो कवायद चल रही है उससे पहले ट्रंप प्रशासन ने यूक्रेन को सैन्य सहायता के साथ ही खुफिया जानकारी साझा करना भी बंद कर दिया है जिससे रूस के खिलाफ यूक्रेन के अभियान में बड़ी बाधा खड़ी हो गयी है। यह एक ऐसा कदम है जिससे यूक्रेन के लोग जेलेंस्की से नाराज बताये जा रहे हैं क्योंकि उनकी जिद ने उनके भविष्य को पूरी तरह खतरे में डाल दिया है। हम आपको यह भी बता दें कि यूक्रेन के विपक्षी नेता यूलिया टिमोशेंको अनुभवी राजनीतिक खिलाड़ी हैं। वह दो बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं और लंबे समय से राष्ट्रपति पद की आकांक्षा रखते हैं। वह अपना सपना पूरा होने की राह में जेलेंस्की को बड़ा रोड़ा मानते हैं लेकिन दिलचस्प बात यह है कि ट्रंप की टीम के साथ बातचीत के बावजूद, उन्होंने ज़ेलेंस्की का बचाव करते हुए कहा है कि युद्ध के दौरान चुनाव ष्असंभव और अनैतिकष् होंगे। यही नहीं, यूक्रेन के पूर्व राष्ट्रपति और अरबपति पेट्रो पोरोशेंको, जिन्हें ष्चॉकलेट किंगष् के नाम से जाना जाता है, वह ज़ेलेंस्की के बड़े आलोचकों में भी शुमार हैं, लेकिन उन्होंने भी युद्धविराम से पहले चुनाव कराने का भी विरोध किया है। दरअसल, यूक्रेन में अभी मार्शल लॉ लगा हुआ है और इसका हवाला देते हुए जेलेंस्की देश में चुनाव करवाने से इंकार कर रहे हैं। यदि फरवरी 2022 में रूस द्वारा आक्रमण शुरू करने के बाद यूक्रेन में मार्शल लॉ लागू नहीं होता, तो देश में पिछले साल मई में चुनाव हो गए होते। हम आपको बता दें कि 'मार्शल लॉ' अधिनियम को यूक्रेन ने 24 फरवरी 2022 को लागू किया था। यह आपातकाल में यूक्रेन में सभी चुनावों पर स्पष्ट रूप से प्रतिबंध लगाता है। यह भी कहा जा रहा है कि जेलेंस्की सैद्धांतिक रूप से चुनावों के खिलाफ नहीं हैं और उन्होंने इस बात पर सहमति जताई है कि चुनाव सही समय पर होने चाहिए। जेलेंस्की ने इस साल दो जनवरी को एक साक्षात्कार में कहा था, ''मार्शल लॉ खत्म हो जाने के बाद गेंद संसद के पाले में होती है– संसद फिर चुनाव की तारीख तय करती है।'' जेलेंस्की ने कहा था कि समस्या समय और परिस्थिति की है। उन्होंने कहा था कि युद्ध के दौरान चुनाव नहीं हो सकते। कानून, संविधान और अन्य चीजों में बदलाव करना जरूरी है। ये महत्वपूर्ण चुनौतियां हैं, लेकिन कुछ मानवीय चुनौतियां भी हैं। हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से यूक्रेन से चुनाव कराने का आह्वान किया है और ऐसा नहीं करने के लिए जेलेंस्की को ष्तानाशाहष् भी करार दिया है। पिछले महीने सऊदी अरब में हुई बैठक में भी अमेरिका ने किसी भी शांति समझौते के एक महत्वपूर्ण हिस्से के तहत यूक्रेन में चुनावों पर चर्चा की थी। ट्रंप ने स्वयं 18 फरवरी को संवाददाता सम्मेलन में कहा था, ''हमारे पास ऐसी स्थिति है कि यूक्रेन में चुनाव नहीं हुए हैं। वहां 'मार्शल लॉ' है।'' रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी कह चुके हैं कि उनका देश शांति वार्ता के लिए तैयार है, लेकिन समस्या यह है कि यूक्रेन में ऐसा कोई वैध यूक्रेनी प्राधिकार नहीं है, जिसके साथ वह बात कर सके। पुतिन भी कह चुके हैं कि यूक्रेन में निर्वाचित राष्ट्रपति से ही वह बात करेंगे। बहरहाल, इन गुप्त चर्चाओं ने जेलेंस्की की चिंता बढ़ा दी है। इसके अलावा यूक्रेन में कुछ लोगों को डर है कि ट्रंप द्वारा ज़ेलेंस्की के विरोधियों से संपर्क करने से यदि कोई ट्रंप समर्थक नेता सत्ता में आ गया तो पूरी तरह अमेरिका का दबदबा देश में कायम हो जायेगा। कुछ लोगों को यह भी डर है कि ट्रंप की गुप्त वार्ताओं से डर के कहीं जेलेंस्की ही अमेरिका के मन मुताबिक समझौता या रूस के साथ युद्धविराम ना कर बैठें। इसके अलावा जिस तरह एलन मस्क और तुलसी गबार्ड जैसे प्रभावशाली लोग जेलेंस्की को लोकतंत्र के लिए खतरा बताते हुए अपना अभियान आगे बढ़ा रहे हैं उससे यूक्रेन में सत्ता विरोधी लहर भी खड़ी हो रही है। देखना होगा कि यूक्रेन की राजनीति के लिए खासतौर पर आने वाले दिन क्या नयापन या बदलाव लाते हैं।

ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में फंसी सुनीता विलियम्स के घने बालों की प्रशंसा की

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स के घने बालों की सराहना की और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे दो अंतरिक्ष यात्रियों को संदेश दिया कि उन्हें जल्द धरती पर वापस लाया जाएगा। ट्रंप (78) ने अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे बुच विल्मोर और विलियम्स को पृथ्वी पर वापस लाने में मदद करने के लिए व्यक्तिगत रूप से एक बचाव दल को कक्षा में भेजने की संभावना का जिक्र किया और आठ दिन के मिशन के नौ महीने तक जारी रहने के लिए पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन की आलोचना की। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में संवाददाताओं से कहा, ''बाइडन ने उन्हें वहीं फंसा छोड़ दिया।'' उन्होंने कहा, ''हमारे दो अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में फंसे हुए हैं। मैंने एलन (मस्क) से कहा, मेरा एक काम करो। क्या तुम उन्हें बाहर निकाल कर ला सकते हो? उन्होंने कहा 'हां'। वह वहां जाने की तैयारी कर रहे हैं, मुझे लगता है कि दो सप्ताह

में।'' ट्रंप ने कहा कि मस्क अभी एक यान तैयार कर रहे हैं जो ऊपर जाएगा और उन्हें वहां से ले जाएगा। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में विलियम्स पर कहा,'' उस महिला के बाल बेहद घने है,अच्छे हैं और मजबूत हैं। ये मजाक नहीं है।'' उन्होंने ये बात नौ महीनों से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे विलियम्स और विल्मोर के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में कही। ट्रंप ने बाइडन को '' देश के इतिहास का सबसे अक्षम राष्ट्रपति'' करार दते हुए कहा ''उन्होंने आपके साथ ऐसा होने दिया, लेकिन यह राष्ट्रपति ऐसा नहीं होने देगा।'' ट्रंप ने कहा, ''उन्हें वहीं छोड़ दिया गया है। मुझे उम्मीद है कि वे एक–दूसरे को पसंद करते होंगे या शायद वे एक–दूसरे से प्यार करते होंगे, मुझे नहीं पता, लेकिन उन्हें वहीं छोड़ दिया गया है। इस बारे में सोचें। वहां भी खतरा है। वहां कुछ विफलताएं हो सकती हैं। यह बहुत बुरा होगा। उन्हें बाहर निकालना ही होगा।'' वहीं मस्क ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि ''अंतरिक्ष यात्री वहां केवल आठ दिन के लिए गए थे लेकिन वे वहां आठ महीने से हैं। उन्होंने कहा, '' स्पेसएक्स छह महीने पहले एक और यान भेजकर उन्हें वापस ला सकता था, लेकिन बाइडन व्हाइट हाउस ने इसकी अनुमति देने से इनकार कर दिया(नासा ने नहीं)। राष्ट्रपति ट्रंप ने उन्हें जल्द से जल्द वापस लाने के लिए कहा और हम ऐसा कर रहे हैं।

प्रतिबंधित इस्लामी समूह हिज्ब उत–तहरीर ने बांग्लादेश में निकाला मार्च, मस्जिद के पास पुलिस से हुई झड़प

प्रतिबंधित इस्लामी समूह हिज्ब उत–तहरीर ने शुक्रवार को बांग्लादेशी प्रशासन के आदेशों के खिलाफ ढाका में अपनी पहली

खुली रैली की, जिसके कारण जुमे की नमाज के बाद मस्जिद के पास पुलिस के साथ झड़प हो गई। ष्खिलाफत के लिए मार्चष् में हजारों लोग शामिल हुए और रैली राजधानी शहर में बैतुल मुकर्रम राष्ट्रीय मस्जिद के उत्तरी द्वार से शुरू हुई। एक रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस द्वारा मार्च को रोकने के लिए हस्तक्षेप करने पर झड़पें शुरू हो गईं। जुलूस शुरू में बिना किसी व्यवधान के आगे बढ़ा, लेकिन जैसे ही प्रदर्शनकारी पलटन से बिजॉयनगर की ओर बढ़े, तनाव बढ़ गया, जहां पुलिस ने नाकाबंदी कर दी। जवाब में, हिज्ब उत–तहरीर के सदस्यों ने विरोध किया, जिससे दोनों पक्षों के बीच धक्का–मुक्की शुरू हो गई। भीड़ को तितर–बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले और ध्वनि ग्रेनेड दागे, जिससे प्रदर्शनकारी कुछ समय के लिए तितर–बितर हो गए। हालांकि, बाद में वे फिर से एकत्र हुए और अपना जुलूस फिर से शुरू करने का प्रयास किया। जैसे–जैसे तनाव बढ़ता गया, कानून प्रवर्तन ने एक बार फिर आंसू गैस का इस्तेमाल किया, जबकि प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों पर ईंट और पत्थर फेंककर जवाबी कार्रवाई की। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, टकराव तेज हो गया, जिसके परिणामस्वरूप हिज्ब उत–तहरीर के कई सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। यह समूह बांग्लादेश में एक प्रतिबंधित संगठन बना हुआ है, इसकी सभी गतिविधियाँ और प्रदर्शन अवैध घोषित किए गए हैं। भारत ने पिछले साल हिज्ब–उत–तहरीर को आतंकवादी संगठन घोषित किया था और कहा था कि यह समूह आतंकवादी संगठनों में शामिल होने और आतंकी गतिविधियों के लिए धन जुटाने के लिए भोले–भाले युवाओं को कट्टरपंथी बनाने सहित विभिन्न आतंकवादी कृत्यों में शामिल है, जो भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता के लिए गंभीर खतरा है। मोदी सरकार आतंकवादी ताकतों से सख्ती से निपटकर भारत को सुरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

वर्ष 2024 में पाकिस्तान बना दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आतंकवाद प्रभावित देश : रिपोर्ट

इस्लामाबाद, एजेंसी। वैश्विक आतंकवाद सूचकांक (जीटीआई) 2025 की रिपोर्ट में कहा गया कि पाकिस्तान में आतंकवाद बढ़ता जा रहा है जिससे यह वर्ष 2024 में दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आतंकवाद प्रभावित देश बन गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में आतंकवाद से होने वाली मौतों में 45 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2023 में 748 मौतों की तुलना में 2024 में यह आंकड़ा बढ़कर 1,081 हो गया। यह आकंड़े वैश्विक स्तर पर आतंकवाद से मौत में सबसे तेज वृद्धि में से एक हैं। पूर्व में इस सूचकांक में पाकिस्तान चौथे स्थान पर था। पाकिस्तान में आतंकी हमलों की संख्या भी वर्ष 2023 में 517 से बढ़कर 2024 में 1,099 हो गई। यह संख्या पहली बार 1,000 का आंकड़ा पार कर गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान लंबे समय से यह दावा करता रहा है कि प्रतिबंधित तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और अन्य आतंकवादी संगठन अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान में हमले करने के लिए कर रहे हैं। रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि पाकिस्तान में आतंकवाद में बढ़ोतरी और काबुल में अफगान तालिबान के सत्ता में आने के बीच महत्वपूर्ण संबंध है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अफगानिस्तान में सक्रिय आतंकवादी गुटों ने विशेष रूप से पाकिस्तान–अफगानिस्तान सीमा पर अपने हमले तेज किए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि टीटीपी देश में सबसे घातक आतंकवादी समूह बना हुआ है जो आतंकवाद से संबंधित सभी मौतों में से 52 फीसदी के लिए जिम्मेदार है। प्रतिबंधित संगठन टीटीपी ने वर्ष 2024 में कुल 482 हमले किए जिनमें 558 लोग मारे गए। बीते वर्ष के मुकाबले टीटीपी के हमलों की संख्या दोगुनी हो गई, वहीं मौतों में 90 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। रिपोर्ट के अनुसार, अफगान तालिबान के वर्ष 2021 में सत्ता में लौटने के बाद से टीटीपी को अधिक स्वतंत्रता और सीमा पार सुरक्षित ठिकाने मिले हैं जिससे इसे हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने की खुली छूट मिल गई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि पाकिस्तान में आतंकवाद से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा रहे। यह दोनों क्षेत्र अफगानिस्तान की सीमा से लगे हैं। वर्ष 2024 में पाकिस्तान में 96 फीसदी से अधिक आतंकी हमले और मौतें इन्हीं प्रांतों में दर्ज किए गये। रिपोर्ट में प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) द्वारा वर्ष 2024 में किए गए सबसे घातक आतंकी हमले का जिक्र किया गया है। इस हमले में क्वेटा रेलवे स्टेशन पर एक आत्मघाती हमलावर ने कम से कम 25 नागरिकों और सैनिकों की जान ले ली थी। जियो न्यूज के मुताबिक, बीएलए और अन्य संगठनों द्वारा किए गए हमलों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इन संगठनों के हमले वर्ष 2023 में 116 से बढ़कर वर्ष 2024 में 504 हो गए। इन हमलों में होने वाली मौतों की संख्या चार गुना बढ़कर 388 हो गईं जो 2023 में 88 थीं।

अप्रैल में श्रीलंका दौरे पर जाएंगे पीएम नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति दिसानायके ने किया था निमंत्रित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अप्रैल में श्रीलंका की यात्रा पर जा सकते हैं, जो भारत–श्रीलंका के बीच मजबूत संबंधों को दर्शाता है। श्रीलंका में सत्ता परिवर्तन के बाद यह उनकी पहली यात्रा होगी। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा श्रीलंका की राष्ट्रपति अरुणा दिसानायके की दिसंबर में दिल्ली यात्रा के बाद होगी। प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी 2015, 2017 और 2019 में तीन बार श्रीलंका की यात्रा कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी और आर्थिक संबंधों पर चर्चा होने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के रामेश्वरम और श्रीलंका के तलाईमनेर के बीच एक नए नौका मार्ग पर चर्चा हो रही है। भारत और श्रीलंका के बीच नागापट्टिनम को त्रिंकोमाली से जोड़ने वाली बहु–उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइन पर भी आगे बढ़ने की संभावना है। इस परियोजना में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन एक प्रमुख खिलाड़ी है। दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी को दिसंबर में तीन दिवसीय भारत यात्रा के दौरान अपनी सुविधानुसार जल्द से जल्द श्रीलंका की यात्रा करने के लिए आमंत्रित किया था, जो सितंबर 2024 में पदभार ग्रहण करने के बाद उनकी पहली विदेश यात्रा होगी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।